केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जिंदगी आसान नहीं हैं, क्योंकि झूठ कहो तो अंतरात्मा दुखती हैं और सच कहो तो दुनिया को बुरा लगता हैं...!!

वर्ष : 17 अंक : 84 | उज्जैन, गुरुवार 03 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

जिनके हाथ में हल, वही है देश का असली बल : मुख्यमंत्री

बीज से बाजार तक और खेत से निर्यात तक हर कदम पर राज्य सरकार किसानों के साथ

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिनके हाथ में हल है, वही इस देश का असली बल है। उन्होंने किसानों के पसीने को मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था का ÷फ्यूल÷ बताते हुए कहा कि सरकार खेत से लेकर निर्यात तक और बीज से लेकर बाजार तक हर कदम पर प्रदेश के किसानों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान बलराम, बल के देवता ही नहीं, श्रम के सम्मान और कृषि गौरव के जीवंत प्रतीक हैं। हलधर के रूप में उन्होंने देश में खेती-किसानी को विस्तार दिया और इसे लोककल्याण का माध्यम भी बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को हल षष्ठी के अवसर पर ग्वालियर में हुए बलराम जयंती महोत्सव एवं सहकारी किसान समागम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों और अन्नदाताओं को बलराम जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बलराम जयंती हमारे खेतों की हरियाली और किसानों की समृद्धि का पुनीत उत्सव है। आयोजकों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को खेती-किसानी के प्रतीक के रूप में हल भेंट किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक शिवपुरी को अपनी वर्तमान अवस्था से उबरने में राज्य शासन की ओर से जरूरी मदद देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान कल्याण से जुड़े 4 महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से ऑनलाइन किसान क्रेडिट कार्ड पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल से किसान अब घर बैठे आवेदन कर सकेंगे। इस अवसर पर शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण योजना के सरलीकरण का भी शुभारंभ हुआ। इसके तहत खरीफ और रबी कृषि ऋण की अलग-अलग अदायगी की बाध्यता समाप्त करते हुए किसानों को अपनी सुविधा के अनुसार 12 माह में ऋण चुकाने की सुविधा दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान कृषक कवच योजना का भी शुभारंभ किया। इस योजना में ऐसे किसानों को भी ऋण और शासकीय योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया है, जिनके खातों की जांच लंबित होने से वे अब तक शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गांवों में सहकारिता संबंधी गतिविधियों को गति प्रदान करने के लिए 200 नई पैक्स संस्थाओं के कार्यालयों का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपेक्स बैंक की ग्वालियर में संभागीय शाखा का शुभारंभ भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार बीज से बाजार तक और खेत से निर्यात तक किसान की पूरी यात्रा को सशक्त कर रही है। उन्होंने मध्यप्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि हम प्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल बनायेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश के हर ब्लॉक में एक वृंदावन ग्राम विकसित किया जा रहा है और गौशालाओं में प्रति गाय चारा अनुदान 20 से बढ़ाकर 40 रुपये किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि हमारी विरासत है, एग्री-टेक और एग्री-बिजनेस हमारा भविष्य है। प्रदेश में तकनीक, प्रसंस्करण और बाजार के माध्यम से नई कृषि क्रांति लाई जा रही है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए नई फसलों के साथ उद्यानिकी, जैविक खेती, मत्स्य पालन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से पानी की हर बूंद का सदुपयोग करने, प्राकृतिक खेती अपनाने, उत्पादन की ग्रेडिंग-प्रोसेसिंग-पैकेजिंग कर सीधे बाजार से जुड़ने, फसल विविधीकरण अपनाने और युवाओं को कृषि उद्यमिता से जोड़ने की अपील की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि में ही मध्यप्रदेश की समृद्धि है। उन्होंने किसानों से फार्मर आईडी बनवाने की अपील करते हुए कहा कि इससे शासकीय योजनाओं, समर्थन मूल्य के भुगतान तथा सब्सिडी पर खाद-बीज की सुविधा आसान होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्री बलराम ने कृषि को प्रकृति के साथ जोड़कर स्वावलंबन का नया अध्याय शुरू किया था। भारतीय संस्कृति में खेती को सर्वोत्तम माना गया है। खेती से प्रकृति समृद्ध होती है और मनुष्य को अनाज मिलता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चार श्रेणियों- गरीब, अन्नदाता, युवा और नारी कल्याण का संकल्प लिया है।

न्यूज ब्रीफ

आंध्र प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही, मलेरिया की दवा खाते ही 50 से अधिक बीमार

अमरावती/जीएनएस। आंध्र प्रदेश के पल्लावरम जिले से एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां मलेरिया से लड़ने के लिए बांटी गई क्लोरोक्वीन की गोलियां खाने के बाद सात साल की एक मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि 52 अन्य लोग बीमार पड़ गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल और स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। अधिकारियों के मुताबिक, तेलंगाना की अंतर-राज्यीय सीमा से लगे पलावाड़म जिले के गोलागुप्पा गांव में मलेरिया से बचाव के लिए 71 लोगों को एंटी-मलेरिया गोलियां दी गई थीं। मिली जानकारी के अनुसार दवा खाने के कुछ देर बाद ही कई लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। हालात को गंभीर देखते हुए प्रशासन ने तुरंत ऐक्शन लिया और 29 मरीजों को तेलंगाना के एक अस्पताल में, जबकि 24 मरीजों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। इस हादसे में दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली 7 साल की बच्ची माडिवी जमुना की इलाज के दौरान मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक, बाकी अन्य मरीजों की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों से पूरी रिपोर्ट मांगी है और इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही, पीड़ितों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जिला कलेक्टर दिनेश कुमार ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं और स्थिति नियंत्रण में है। मरीजों की देखरेख के लिए प्रशासन ने तुरंत कदम उठाए हैं। काकीनाडा सरकारी जनरल अस्पताल से 9 सदस्यों की एक विशेष मेडिकल टीम गांव पहुंच चुकी है। विजयवाड़ा, राजमहेंद्रवरम और काकीनाडा से तीन और विशेष टीमें जल्द ही पहुंचने वाली हैं। गांव में ही एक मेडिकल कैंप लगाकर विशेष डॉक्टरों की तैनाती की गई है, जो लगातार मरीजों की सेहत पर नजर बनाए हुए हैं। फिलहाल बच्ची की मौत के असल कारणों की आधिकारिक जांच की जा रही है, और स्वास्थ्य विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि आखिर दवा खाने के बाद लोगों की तबीयत इतनी कैसे बिगड़ गई।

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा की सुरक्षा में तैनात रहेंगे दो पुलिसकर्मी

कोलकाता/जीएनएस। कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को उनके संसदीय क्षेत्र में जाने के दौरान पुलिस सुरक्षा देने का निर्देश दिया है। मंगलवार को न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने निर्देश दिया कि महुआ जब भी अपने संसदीय क्षेत्र में प्रवेश करेंगी, उनके साथ कम से कम दो पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं। यह सुरक्षा फिलहाल 30 दिनों के लिए दी गई है। मामले की अगली सुनवाई एक अक्टूबर को होगी। अदालत ने कहा कि महुआ को अपने संसदीय क्षेत्र में काम करने के दौरान किसी तरह की परेशानी या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है। सांसद को अपने क्षेत्र में जाने से रोकना या उनके साथ किसी तरह का हमला अथवा दुर्व्यवहार उचित नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि महुआ को अपने संसदीय क्षेत्र में जाने की तारीखों की जानकारी पहले पुलिस को देनी होगी। उसी के अनुसार पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था करेगी। महुआ ने कोर्ट का रुख करते हुए आरोप लगाया था कि अपने संसदीय क्षेत्र में जाने पर उन्हें घेरकर विरोध-प्रदर्शन किया जाता है और राजनीतिक उद्देश्य से माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जाती है। ऐसी परिस्थितियों में सांसद के रूप में वह आम लोगों के लिए काम नहीं कर पा रही हैं। महुआ के अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने अदालत में कहा कि उनकी मुवक्किल जब भी अपने क्षेत्र में जाती हैं, उन पर अंडे, आलू और पत्थर फेंके जाते हैं।

कारगिल युद्ध के घायल पूर्व सैनिक ने की आत्महत्या की कोशिश, 24 साल से जमीन आवंटन का इंतजार

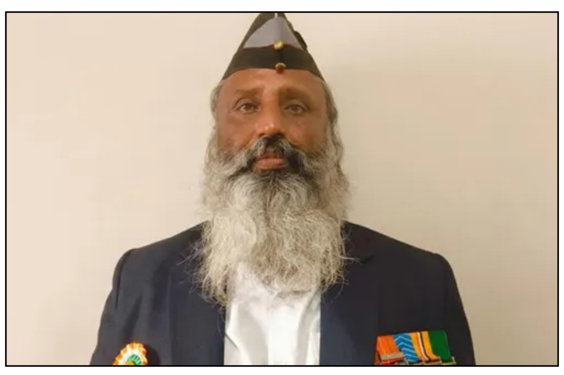

बेंगलुरु/ जीएनएस। 1999 के कारगिल युद्ध में हिस्सा ले चुके भारतीय सेना के एक सेवानिवृत्त जवान ने आत्महत्या करने की कोशिश की।

मराठा लाइट इन्फैंट्री के नायक (सेवानिवृत्त) शिवानंद रेड्डी 24 साल से सरकार द्वारा वादा की गई जमीन के आवंटन का इंतजार कर रहे थे। कर्नाटक के डिप्टी सीएम जी. परमेश्वर से मिलने से रोके जाने के बाद उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया।

फिलहाल पूर्व सैनिक शिवानंद रेड्डी का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

डिप्टी सीएम से मिलना चाहते थे- यह घटना 29 अगस्त की बताई जा रही है। कारगिल युद्ध के दौरान घायल हुए शिवानंद रेड्डी अपनी लंबित पड़ी जमीन के मुद्दे पर मदद मांगने के लिए डिप्टी सीएम से मिलना चाहते थे। हालांकि, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उन्हें डिप्टी सीएम से मिलने की अनुमति नहीं दी। रेड्डी को उनकी देश सेवा के सम्मान में उनके गृहनगर चिंतामणि में जमीन आवंटित की जानी थी। दो दशकों से भी अधिक समय बीत जाने के बाद भी प्रशासनिक लापरवाही के कारण उन्हें जमीन का मालिकाना हक नहीं मिल सका।

निराशा में उठाया आत्मघाती कदम - सरकारी तंत्र के चक्कर काटने और आखिरकार डिप्टी से मुलाकात न हो पाने से निराश होकर उन्होंने अपनी जान देने की कोशिश की।

सम्राट कैबिनेट में 27 प्रस्ताव मंजूर, बिहार के 47 पुल और 55 राज्य पथों पर लगेगा टोल

पटना/ जीएनएस। राज्य सरकार अब महत्वपूर्ण पुलों और राज्य उच्च पथों से गुजरने वाले वाहनों से पथ उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) वसूल करेगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इससे जुड़े सलाहकार सेवा लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक में कुल 27 प्रस्ताव स्वीकृत किए गए।

पहले चरण में 250 मीटर से अधिक लंबे 47 पुलों और 55 राज्य उच्च पथों को टोल वसूली के लिए चिह्नित किया गया है। हालांकि, इन स्थानों पर तत्काल टोल वसूली शुरू नहीं होगी। इसके लिए पहले पूरी प्रक्रिया और जरूरी आधारभूत संरचना तैयार की जाएगी।

चयनित सड़कों और पुलों पर गुजरने वाले वाहनों की संख्या जानने के लिए यातायात सर्वे कराया जाएगा। इसमें यह भी पता लगाया जाएगा कि वाहन कहां से आ रहे हैं और उनकी मंजिल क्या है। सर्वे के आंकड़ों के आधार पर आगे की व्यवस्था तय होगी।

प्रत्येक सड़क और पुल के लिए यातायात के दबाव के अनुसार टोल प्लाजा की जगह निर्धारित की जाएगी। वाहनों की संख्या और सड़क की लेन के आधार पर प्लाजा का निर्माण कराया जाएगा। टोल व्यवस्था को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए फास्टैग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

टोल टैक्स के तहत सड़क उपयोगकर्ता शुल्क की दर तय करने, वसूली की निगरानी और टोल परियोजनाओं को एक साथ जोड़कर संचालित करने समेत कई कार्य किए जाएंगे। इसके लिए सलाहकार सेवा लेने पर 30 करोड़ 94 लाख 71 हजार 500 रुपये खर्च होने का अनुमान है।

राम मंदिर ट्रस्ट के पहले सीईओ बने रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा, ऑपरेशन सिंदूर में भी निभाई थी अहम भूमिका

अयोध्या/ जीएनएस। राम नगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक में बुधवार को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का चयन हो गया। चयन समिति ने सीईओ के पद के लिए तीन नामों का पैनल ट्रस्ट को सौंपा गया और ट्रस्ट ने आज सेवानिवृत वायुसेना के अधिकारी एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को सीईओ नियुक्त किया है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को अयोध्या राम मंदिर का पहला सीईओ (चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर) बनाया है। बुधवार को हुई ट्रस्ट की बैठक में उनके नाम का ऐलान किया गया। देवरिया के रहने वाले जितेंद्र मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर में पश्चिमी वायु कमान को लीड किया था।

एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा वायुसेना के पश्चिमी कमान के चीफ रहे हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अहम बैठक में नए सीईओ के के नाम पर मुहर लग गई। वह अप्रैल 2026 में भारतीय वायुसेना से सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी अहम सैन्य जिम्मेदारी निभाई थी।

पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को छह दिसंबर 1986 को एयर फोर्स एकेडमी से भारतीय वायु सेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन मिला था। वह इसी वर्ष 30 अप्रैल को रिटायर्ड हुए थे। वह देवरिया के रहने वाले हैं। आज सीईओ को लेकर सभी कयास धरे के धरे रहे गए और सैन्य अधिकारी को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीईओ को लेकर सभी कयास धरे के धरे रहे गए और सैन्य अधिकारी को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ लड़ाकू पायलट रहे हैं। उन्होंने 6 दिसंबर 1986 को फाइटर पायलट के रूप में IAF ज्वाइन की थी।

कार की सीट के नीचे सीक्रेट कैबिन में छिपाकर ले जा रहे थे 1.44 करोड़ रुपये, 3 गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम/ जीएनएस। केरलम-कर्नाटक बॉर्डर के पास गाड़ियों की रूटीन चेकिंग के दौरान एक गाड़ी से भारी मात्रा में कैश जब्त किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने ड्राइवर की सीट के नीचे बने एक गुप्त खाने में छिपाकर रखा गया 1.44 करोड़ रुपये का कैश बरामद किया है।

थिरुनेल्ली पुलिस और जिला एंटी-नारकोटिक्स स्पेशल एक्शन फोर्स की टीम ने कर्नाटक की तरफ से आ रही एक गाड़ी को रोका और उसमें से कैश जब्त किया। यह कार्रवाई थोल्पेट्टी में हुई।

गाड़ी से मिला 1.44 करोड़ रुपये कैश- पुलिस केरलम-कर्नाटक बॉर्डर पर रूटीन चेकिंग कर रही थी। वहीं से गुजर रही एक गाड़ी की बारीकी से तलाशी लेने पर पुलिस को ड्राइवर की सीट के नीचे खास तौर पर बनाए गए एक खाने में छिपाकर रखे गए कैश के बंडल मिले। पुलिस ने बताया कि कुल बरामद रकम 1,44,50,000 रुपये थी।

वाराणसी में गंगा की हाहाकारी लहरों में दशाश्वमेध घाट पर पूरी तरह से डूबा शीतला माता मंदिर, गलियों में नौका संचालन शुरू

वाराणसी/ जीएनएस। गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। बुधवार की शाम को शीतला माता मन्दिर की छत तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है। घाट की सीढ़ियां पूरी तरह डूब गई हैं और मन्दिर तथा विग्रह पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं। मन्दिर के महंत कल्लू गुरु ने बताया कि जब तक बाढ़ के ऐसे हालात रहेंगे, घाट के ऊपर अहिल्लेश्वर महादेव मन्दिर में माता शीतला की चल प्रतिमा पर दैनिक भोग आरती की जाएगी।

बाढ़ के कारण घाट में अन्य भवनों में पानी घुसने का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं को सलाह दी गई है कि वे सुरक्षित स्थानों पर रहें और बाढ़ के पानी से दूर रहें। जबकि गलियों में नाव चलने की नौबत आ चुकी है। वरुणा के किनारे मोहल्लों में नौका ही आवागमन का साधन है। गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से वाराणसी के कई क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इससे न केवल धार्मिक स्थलों पर बल्कि आसपास के निवासियों के जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। प्रशासन ने बाढ़ की स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राहत कार्यों की योजना बनाई है। जबक लगातार हो रही बारश भी जलस्तर में इजाफे के लए जम्मेदार मानी जा रही है। स्थानीय अधिकारियों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए टीमों का गठन किया है। इसके साथ ही, बाढ़ के पानी के स्तर की निगरानी के लिए विशेष उपाय किए जा रहे हैं। गंगा नदी के किनारे बसे क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। प्रशासन ने बाढ़ के दौरान किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की है। गंगा के जलस्तर में वृद्धि के कारण वाराणसी में यातायात भी प्रभावित हुआ है। कई सड़कों पर पानी भर जाने के कारण वाहनों की आवाजाही में कठिनाई हो रही है। जबक नौका संचालन ही कई मकानों में आवाजाही का एकमात्र माध्यम शेष है। जबक कई मकानों के नीचे के तल आधा तक डूबे हुए हैं।

पीएम मोदी की तस्वीर सेंसर करना घमंड की हद, SCO ग्रुप फोटो एडिट करने पर पाक की थू-थू

नई दिल्ली/ जीएनएस। किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन की ग्रुप फोटो से पीएम मोदी को हटाने के पाक PMO के कदम पर भारत में तीखी आलोचना हो रही है। नेताओं ने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

मंगलवार को पाकिस्तान PMO के एक्स हैंडल से पोस्ट की गई तस्वीर को दोनों तरफ से क्रॉप किया गया था, जिसमें पीएम मोदी, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और कई अन्य नेता शामिल नहीं थे। असली तस्वीर में सदस्य देशों के प्रमुख एक साथ खड़े थे। हालांकि कुछ घंटों बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूरी फोटो शेयर की।

पाक की हीन भावना का सबूत- एम. जे. अकबर -विदेश राज्य मंत्री रहे एम. जे. अकबर ने भी पाकिस्तान के फैसले की आलोचना की और इसे ऐसी कोशिश बताया जिसने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश को मजाक का पात्र बना दिया है।

अकबर ने कहा, इसी तरह पाकिस्तान हर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में मजाक का पात्र बन जाता है। तस्वीर को सेंसर करना घमंड की हद है, क्योंकि आपको इसे ध्यान से देखना होगा।

न सिर्फ हमारे PM मोदी को तस्वीर से ऐसे हटा दिया गया जैसे वे वहां थे ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान के [illegible]को तस्वीर के बीच में रखा गया और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को किनारे कर दिया गया।

उन्होंने आगे इस हरकत को हीन भावना का सबूत बताया और कहा, इस तरह का घमंड असल में हीन भावना का सबूत है, जिसे पाकिस्तान बार-बार दिखाता है।

इसपर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने करारा एतराज जताते हुए कहा, पाकिस्तान ने जो किया, वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। भले ही उन्होंने पीएम मोदी की तस्वीर हटा दी हो, लेकिन अगर प्रधानमंत्री मोदी चाहें तो वे पाकिस्तान को दुनिया के नक्शे से हटा सकते हैं।

सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली प्रत्येक मृत्यु को रोकना ही सड़क सुरक्षा से जुड़े प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी का हो प्रमुख ध्येय

सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु को कम करना सभी संबंधित विभागों और समाज का साझा दायित्व - न्यायमूर्ति श्री सप्रे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में आज इंदौर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सिटी बस ऑफिस में आयोजित हुई। बैठक में इंदौर जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में अधिकारियों द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी दी गई। ब्लैक स्पॉट के चिन्हांकन एवं सुधार, सड़क सुरक्षा को लेकर जन-जागरूकता अभियान, यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालानी कार्रवाई, यातायात व्यवस्था में सुधार, सड़क इंजीनियरिंग से संबंधित सुधारात्मक कार्य तथा सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे उपायों की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की गई।

बैठक में दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यक सुधार, यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति आम नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा हुई। न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ प्रभावी एवं परिणाममूलक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, ट्रैफिक डीसीपी श्री राजेश त्रिपाठी, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रिंकेश वैश्य सहित सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु को कम करना सभी संबंधित विभागों और समाज का साझा दायित्व है। मध्यप्रदेश में पिछले कुछ समय में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु में कमी आई है, जो संतोषजनक है, लेकिन इसे और बेहतर करने के लिए लगातार प्रयास करने होंगे।

न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने बताया कि देश में पिछले पांच वर्षों के सड़क दुर्घटना के आंकड़ों के आधार पर अधिक मृत्यु वाले जिलों की पहचान कर उन्हें 'जीरो फैटलिटी डिस्ट्रिक्ट' के रूप में विकसित करने की पहल की गई है। मध्यप्रदेश में पहले धार, खरगोन, रीवा, सतना, सागर और जबलपुर को ऐसे जिलों में शामिल किया गया था। अब इसमें इंदौर, भोपाल और उज्जैन को भी शामिल कर कुल नौ जिलों को जीरो फैटलिटी डिस्ट्रिक्ट बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि 'जीरो फैटलिटी' का अर्थ केवल घोषणा करना नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना है जिसमें सड़क दुर्घटनाओं में एक भी व्यक्ति की मृत्यु न हो। इसके लिए पुलिस, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को समन्वित रूप से काम करना होगा।

न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने कहा कि इंदौर को प्रदेश का प्रमुख और तेजी से विकसित होता शहर होने के कारण, उज्जैन को धार्मिक एवं पर्यटन महत्व तथा बड़े पैमाने पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के कारण तथा भोपाल को राजधानी होने के कारण जीरो फैटलिटी अभियान में शामिल करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अब तक जो हुआ, उसे पीछे छोड़कर भविष्य के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ काम करने की जरूरत है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली प्रत्येक मृत्यु को रोकना ही सड़क सुरक्षा से जुड़े प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी का प्रमुख ध्येय होना चाहिए।

पैदल चलना नागरिकों का मौलिक अधिकार- न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल चलना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि यदि किसी सड़क पर पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ या सुरक्षित मार्ग उपलब्ध नहीं है और इसी वजह से दुर्घटना होती है, तो इसके लिए संबंधित सरकारी एजेंसियों की जवाबदेही तय हो सकती है। उन्होंने कहा कि नगर निगम, लोक निर्माण विभाग और अन्य सड़क निर्माण एजेंसियों को सड़क डिजाइन करते समय पैदल यात्रियों के लिए पर्याप्त और सुरक्षित फुटपाथ की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। फुटपाथ उपलब्ध होने के बावजूद यदि कोई व्यक्ति उसका उपयोग नहीं करता है तो स्थिति अलग है, लेकिन जहां फुटपाथ बनाया ही नहीं गया है, वहां पैदल चलने वाले व्यक्ति के पास सड़क पर चलने के अलावा विकल्प नहीं रहता।

उन्होंने सड़क किनारे बैठे, खड़े अथवा घूमते रहने वाले लोगों तथा सड़कों पर मौजूद अवरोधों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल वाहन चालकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सड़क का डिजाइन, फुटपाथ, अतिक्रमण, यातायात व्यवस्था और सड़क पर मौजूद बाधाओं को दूर करना भी संबंधित सरकारी विभागों की जिम्मेदारी है।

न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने अधिकारियों से आह्वान किया कि सभी विभाग मिलकर ऐसा रोड सेफ्टी सिस्टम विकसित करें, जिसमें वाहन चालकों के साथ-साथ पैदल यात्रियों और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।

बैठक में श्री सप्रे द्वारा दिए गए प्रमुख निर्देश- हेलमेट नियम का प्रभावी पालन- दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट की अनिवार्यता को सख्ती से लागू किया जाए और नियमों का पालन नहीं करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

स्कूल-कॉलेजों में विशेष अभियान- विद्यार्थियों में हेलमेट पहनने की आदत विकसित करने के लिए सभी स्कूल एवं कॉलेजों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जाए।

बिना हेलमेट प्रवेश नहीं- दोपहिया वाहन से स्कूल-कॉलेज आने वाले विद्यार्थियों के लिए हेलमेट अनिवार्य किया जाए। बिना हेलमेट आने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं देने की व्यवस्था पर भी विचार किया जाए।

शिक्षक और स्टाफ भी करें पालन- हेलमेट का नियम केवल विद्यार्थियों तक सीमित न रहे। शिक्षक, कर्मचारी और अन्य स्टाफ भी दोपहिया वाहन से आने पर अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें।

लाइसेंस शिविर लगाए जाएं- स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों के ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि पात्र विद्यार्थियों को लाइसेंस की सुविधा मिल सके।

निरंतर जागरूकता सत्र- सड़क सुरक्षा को नियमित गतिविधि का हिस्सा बनाया जाए और विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर दो-तीन या अधिक जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएं।

पुलिस अधिकारियों का संवाद- पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारी स्कूल-कॉलेजों में जाकर विद्यार्थियों और अभिभावकों से सीधे संवाद करें तथा सड़क दुर्घटनाओं के गंभीर परिणामों से अवगत कराएं।

अच्छी गुणवत्ता के हेलमेट पर जोर- विद्यार्थियों को केवल हेलमेट पहनने के लिए नहीं, बल्कि अच्छी गुणवत्ता वाले प्रमाणित हेलमेट का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाए।

अच्छे कार्य करने वालों को प्रोत्साहन- सड़क सुरक्षा नियमों का बेहतर पालन कराने वाले संस्थानों एवं व्यक्तियों के प्रयासों का रिकॉर्ड रखा जाए और उन्हें प्रोत्साहित किया जाए।

दुर्घटनाओं में असमय मौत रोकना लक्ष्य- श्री सप्रे ने कहा कि सड़क सुरक्षा का मूल उद्देश्य दुर्घटनाओं में होने वाली असमय मौतों को रोकना है। इसके लिए प्रशासन, पुलिस, शिक्षण संस्थानों, अभिभावकों और विद्यार्थियों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी।

चिन्हित दवाइयों का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही होगा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम/जनसामान्य के स्वास्थ्य हित/जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने इन्दौर नगर (मेट्रोपोलिटन) की सीमा में चिन्हित दवाइयों का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही करने के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। जारी आदेश के अनुसार समस्त नाईट्राजेपाम टेबलेट्स (समस्त नाईट्रावेट टेबलेट्स), समस्त क्लोनेजेपाम टेबलेट्स, समस्त डायजेपाम टेबलेट्स, समस्त ऑक्साजीपाम टेबलेट्स,समस्त इटिजोलाम टेबलेटस,समस्त एल्प्राजोलम टेबलेटस, समस्त कोडीन फास्फेट सिरप/टेबलेटस, क्लोजापाम टेबलेटस (फीजीयम टेबलेट आदि) का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही किया जायेगा। गर्भपात/गर्भसमापन संबंधित औषधियां जैसे Ru486, Mifepristone एवं Misoprostal व उसके ग्रुप श्रेणी की दवाओं (गोली, इंजेक्शन, जेल) का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही किया जायेगा एवं लिखित प्रिस्किप्शन की छायाप्रति संबंधित मेडिकल स्टोर द्वारा रखी जायेगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं पदेन उप संचालक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन इन्दौर अपने अधीनस्थ औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारियों के माध्यम से नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण कर आदेश का प्रभावी परिपालन सुनिश्चित करेंगे। अनियमितता पाई जाने पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावी होकर 24 अक्टूबर 2026 तक लागू रहेगा। इस आदेश का उल्लंघन अन्य अधिनियमों के साथ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।

सांप्रदायिक तनाव और समुदायों के बीच वैमनस्य उत्पन्न करने वाले किसी भी आयोजन और गतिविधियां करने पर प्रतिबंध

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर इंदौर नगरीय सीमा में सांप्रदायिक तनाव और समुदायों के बीच में उत्पन्न करने वाले किसी भी आयोजन और अन्य गतिविधियों को करने पर प्रतिबंध लगाया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश आगामी 24 अक्टूबर 2026 तक लागू रहेगा। जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार इन्दौर नगरीय सीमा के अन्दर किसी भी समुदाय के व्यक्ति द्वारा दूसरे समुदाय की भावनाओं के विपरीत ऐसा कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जायेगा, जिससे शांति भंग होने की आशंका हो और न ही दूसरे समुदाय के धार्मिक भावनाओं के विरूद्ध किसी प्रकार का उत्तेजनात्मक भाषण दिया जायेगा और न ही सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना एवं अफवाहें फैलाई जायेगी। कोई भी व्यक्ति किसी खुले स्थान पर अथवा मकानों की छतों पर ईंट, पत्थर, सोडावाटर की बोतल या अन्य कांच की बोतल, ज्वलनशील पदार्थ अथवा कोई विस्फोटक सामग्री जमा नहीं करेगा और न रखेगा, जिसका प्रयोग आतंक उत्पन्न करने अथवा किसी हिंसात्मक गतिविधियों में किया जा सके। इन्दौर नगरीय पुलिस जिला की सीमा के अन्दर कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई अनुचित मुद्रण/प्रकाशन नहीं करेगा, जिससे साम्प्रदायिक तनाव अथवा समुदायों के बीच वैमनस्य उत्पन्न हो।

ऑपरेशन MATRIX के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर की कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर क्राइम ब्रांच ने साइबर फ्रॉड में इस्तेमाल किए गए संदिग्ध म्यूल बैंक खाते के मामले में कार्रवाई करते हुए खाताधारक के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है। यह कार्रवाई OPERATION MATRIX के तहत IyC (Indian Cyber Crime Coordination Centre), गृह मंत्रालय, NCRP पोर्टल और राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के आधार पर की गई है।

क्राइम ब्रांच को प्राप्त डेटा के परीक्षण के दौरान एक संदिग्ध बैंक खाते की जानकारी सामने आई। बैंक रिकॉर्ड की जांच में खाते का संबंध अभिषेक तिवारी उम्र 25 वर्ष, निवासी श्री गणेश नगर, हिमालय रोड, इंदौर से पाया गया। इसके बाद बैंक खाते से संबंधित जानकारी का NCRP और Cyber Crime Portal पर दर्ज साइबर शिकायतों से मिलान किया गया।

जांच में सामने आया कि उक्त बैंक खाते का संबंध देश के विभिन्न राज्यों में दर्ज साइबर फ्रॉड की शिकायतों से है। दिल्ली, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, तेलंगाना सहित अन्य राज्यों से प्राप्त साइबर अपराध संबंधी शिकायतों में इस बैंक खाते का इस्तेमाल पाया गया है।

पुलिस के अनुसार उपलब्ध बैंक रिकॉर्ड, तकनीकी जानकारी और NCRP पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के परीक्षण से प्रथम दृष्टया यह सामने आया कि संदिग्ध बैंक खाते का उपयोग साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़ी गतिविधियों में किया गया। खाते के वास्तविक उपयोगकर्ता और इसके संचालन से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

सोशल मीडिया पर साम्प्रदायिक, सामाजिक एवं जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने संबंधी किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण प्रतिबंधित

प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सोशल मीडिया के प्लेटफार्मस पर साम्प्रदायिक, सामाजिक एवं जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने संबंधी किसी भी प्रकार के संदेशों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस संबंध में पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह ने भारतीय सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

आदेश का उल्लंघन करने वालो के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश आगामी 24 अक्टूबर 2026 तक लागू रहेगा।

जारी प्रतिबंधात्मक आदेशानुसार कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सऐप, ट्विटर (ङ्ग), इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस, टेलिग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरूपयोग कर साम्प्रदायिक, सामाजिक एवं जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिये किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं कर सकेंगे।

कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म में किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि जिससे साम्प्रदायिक, सामाजिक एवं जातिगत आदि भावनाएँ भड़क सकती है या साम्प्रदायिक, सामाजिक एवं जातिगत विद्वेष पैदा हो सकता है, उसे प्रसारित नहीं कर सकेंगे।

आदेश में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट जिसमें साम्प्रदायिक, सामाजिक एवं जातिगत भावनाएं भड़कती हों, को कमेंट, लाईक, शेयर अथवा फॉरवर्ड नहीं करेंगे। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके। कोई भी व्यक्ति सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेंगे और न ही इसके लिये किसी को प्रेरित करेंगे।

कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड़ मरोड़कर, भड़का कर उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश जिससे लोग या समुदाय विशेष, हिंसा या गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल हो जाये को प्रसारित नहीं करेंगे और न ही लाईक, शेयर अथवा फॉरवर्ड करेंगे और न ही ऐसा करने के लिये किसी को प्रेरित करेंगे।

कोई भी व्यक्ति, समुदाय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेंगे, जिसमें किसी व्यक्ति, संगठन, समुदाय आदि को एक स्थान पर एक राय होकर जमा होने और उनसे कोई गैरकानूनी गतिविधियों करने के लिये आव्हान किया गया हो, जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना विद्यमान हो।

आदेश में कहा गया है कि नगरीय पुलिस इंदौर जिले की सीमा के अन्दर किसी भी साइबर कैफे के मालिक अथवा संचालक द्वारा किसी भी अनजान व्यक्ति, जिसका परिचय किसी विश्वसनीय प्रमाण-पत्र जैसे परिचय पत्र, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, पासपोर्ट फोटो युक्त, क्रेडिट कार्ड, पैन कार्ड या ऐसे ही अन्य साक्ष्य से प्रमाणित न हो, को साइबर कैफे का उपयोग नहीं करने दिया जायेगा।

समस्त आगन्तुकों/प्रयोगकर्ताओं का रजिस्टर रखे बिना सायबर कैफे संचालित नहीं किया जायेगा। सभी आगन्तुकों/प्रयोगकर्ताओं को उनके हस्तलेख में नाम, पता, दूरभाष नम्बर तथा परिचय का प्रमाण पत्र अंकित कराये बिना साइबर कैफे का प्रयोग वर्जित होगा। साइबर कैफे में वेब कैमरा लगाये जाए जिसमें प्रत्येक आगन्तुक / प्रयोगकर्ताओं की फोटो खींची जा सके तथा उसका अभिलेख सुरक्षित रखा जा सके। यह अभिलेख कम से कम 06 माह तक सुरक्षित रखा जायेगा।

केंद्रीय जेल इंदौर में बलराम जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बलराम जयंती के उपलक्ष्य में केंद्रीय जेल इंदौर में बंदियों के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी एवं जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय जेल इंदौर के अधीक्षक श्री दिनेश नरगावे के नेतृत्व में तथा उप जेल अधीक्षक श्री इंदर सिंह नागर की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। बलराम जयंती के अवसर पर बंदियों को जैविक खेती तथा उत्तम आहारचर्या के प्रति जागरूक करने हेतु आयोजन किया गया। आयोजन के माध्यम से बंदियों को जैविक खेती के महत्व, पौष्टिक आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान बंदियों को ध्यान की विभिन्न क्रियाएं भी करवाई गई, जिससे उन्हें मानसिक शांति, एकाग्रता एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा बंदियों को रक्षासूत्र बांधा गया तथा प्रेम, भाईचारे, सद्भाव एवं सकारात्मक जीवन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में बंदियों को फलों का वितरण भी किया गया। उक्त कार्यक्रम मानव सेवा एवं बंदियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सराहनीय पहल है। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर जेल प्रशासन एवं समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि जनकल्याणकारी, स्वास्थ्य एवं जागरूकता संबंधी कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बलराम जयंती पर कार्यक्रम सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय किलाभवन इंदौर में बलराम जयंती के पावन अवसर पर भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को भगवान बलराम के जीवन, व्यक्तित्व, कृषि संस्कृति, श्रम एवं भारतीय परंपरा में उनके योगदान से परिचित कराना तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी. पी. बैरागी के मार्गदर्शन तथा आई.क्यू.ए.सी प्रभारी प्रो. मनीषा जोशी के निर्देशन में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन माँ सरस्वती एवं भगवान बलराम के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर हुआ। कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित काल, समय और युगों की अवधारणा पर विशेष रूप से चर्चा की गई। प्राचार्य डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय परंपरा में समय को केवल वर्षों या दिनों में नहीं, बल्कि अत्यंत व्यापक ब्रह्मांडीय परिप्रेक्ष्य में देखा गया है। उज्जैन की महाकाल परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में 'काल' को जीवन और सृष्टि की मूल अवधारणा के रूप में समझा गया है। उन्होंने भारतीय कालगणना का उल्लेख करते हुए बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा में सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग की विस्तृत गणना मिलती है। इन चारों युगों के समुच्चय को चतुर्युग कहा जाता है। इस प्रकार भारतीय चिंतन में समय की गणना अत्यंत विस्तृत एवं दीर्घकालिक दृष्टि से की गई है। कृष्ण पक्ष, शुक्ल पक्ष, उत्तरायण और दक्षिणायन जैसी अवधारणाएँ भी भारतीय कालबोध की समृद्ध परंपरा को दर्शाती हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय दर्शन में सृष्टि के क्रम को अत्यंत व्यापक कालखंडों में समझाया गया है। इसी प्रकार प्रत्येक वर्ष श्राद्ध पक्ष के माध्यम से पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की परंपरा भी भारतीय संस्कृति में समय, स्मृति और पारिवारिक निरंतरता के महत्व को दर्शाती है।

उन्होंने बताया कि भारतीय परंपरा में बलराम जी को शेषनाग का अवतार माना गया है। वे शक्ति के साथ संयम, स्थिर बुद्धि, सूक्ष्म दृष्टि और समत्व के प्रतीक हैं। क्रोध आने पर शांत रहना, अपनी शक्ति को नियंत्रित रखना और हर परिस्थिति में संतुलित बने रहना उनके जीवन की प्रमुख विशेषताएँ हैं।

कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी डॉ. बैरागी ने भगवान बलराम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय परंपरा में बलराम जी को कृषि, श्रम, शक्ति और लोकजीवन से जुड़े आदर्श व्यक्तित्व के रूप में स्मरण किया जाता है। उनके हाथ में धारण किया जाने वाला हल कृषि एवं उत्पादक श्रम का प्रतीक माना जाता है। बलराम जयंती के माध्यम से विद्यार्थियों को कृषि आधारित भारतीय जीवन-पद्धति, प्रकृति के प्रति सम्मान तथा श्रम की गरिमा का संदेश दिया गया।

प्रो. सुधीर कुमार छारी ने बलराम जी के जन्म से संबंधित देवकी से रोहिणी के गर्भ में गर्भ-संक्रमण की पौराणिक कथा का उल्लेख किया । यमुना को अपने हल से मोड़ने की कथा उनके व्यक्तित्व में निहित सामर्थ्य और लोककल्याण की भावना को दर्शाती है। महाभारत के संदर्भ में उन्होंने बताया कि बलराम जी ने कौरव-पांडव युद्ध में तटस्थ रहने का निर्णय लिया। युद्ध के दौरान वे तीर्थयात्रा पर रहे और युद्ध के अंतिम चरण में लौटे। उन्होंने युद्ध की परिस्थितियों तथा उससे उत्पन्न विनाश की आलोचना की। इससे उनका विवेकपूर्ण, संतुलित और निष्पक्ष दृष्टिकोण सामने आता है।

कार्यक्रम में बलराम जी के जीवन चरित पर आधारित वृत्त चित्र दिखाया गया साथ ही छात्रा वैदेही जैन ने एक सुंदर भजन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. निशा जैन के साथ समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं।

राहुल गांधी के 19 सितंबर के इंदौर कार्यक्रम के लिए एक लाख युवाओं को जोड़ने का अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर शहर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कार्यक्रम में युवाओं और विद्यार्थियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शहर के हर कॉलेज और हॉस्टल तक पहुंचकर विद्यार्थियों का पंजीयन कराने का अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। शहर कांग्रेस ने कार्यक्रम में एक लाख छात्रों और युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य तय किया है।

यह निर्णय शुभ कारज गार्डन में इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे द्वारा आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में कांग्रेस के पार्षदों के साथ शहर इकाई, मंडल और वार्ड स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक को मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महासचिव हरीश चौधरी, इंदौर संभाग की प्रभारी सचिव उषा नायडू, राहुल गांधी के कार्यक्रम के प्रभारी बैजू और मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने संबोधित किया।

हरीश चौधरी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और युवाओं को अपनी समस्याएं और मुद्दे सामने रखने के लिए मंच उपलब्ध कराना है। उनके अनुसार

अवैध शराब परिवहन के मामले में फरार आरोपी दिलप्रीत सिंह उर्फ हनी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर क्राइम ब्रांच पुलिस ने अवैध शराब के परिवहन के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी दिलप्रीत सिंह उर्फ हनी, निवासी इंदौर, को गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी अपराध क्रमांक 40/2023, धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत की गई है। पुलिस द्वारा आरोपी से प्रकरण में उसकी भूमिका, अन्य संलिप्त व्यक्तियों और मामले से जुड़े साक्ष्यों के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है।

मामला 26 जुलाई 2023 का है। उस दौरान क्राइम ब्रांच इंदौर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर राऊ-रंगवासा-पीथमपुर रोड पर नाकाबंदी कर एक आयसर वाहन को रोककर चेकिंग की गई थी। वाहन से BAGPIPER DELUX WHISKY की 410 पेटी और MOUNT 600 BEER की 370 पेटी, कुल 780 पेटी अवैध शराब बरामद की गई थी। बरामद शराब की कीमत करीब 30 लाख रुपये और आयसर वाहन की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई गई थी। इस तरह कुल जब्त मशरूका करीब 50 लाख रुपये का था।

मौके से वाहन चालक बीरम चौहान, निवासी बेटमा, इंदौर और क्लीनर विशाल ठाकुर, निवासी सिमरोल, इंदौर को गिरफ्तार किया गया था। मामले में दिलप्रीत सिंह उर्फ हनी फरार चल रहा था। उसकी तलाश के लिए क्राइम ब्रांच द्वारा मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों का उपयोग किया गया। इसी कार्रवाई के दौरान 1 सितंबर 2026 को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी 8वीं कक्षा तक शिक्षित है और वाइन शॉप पर काम करता है। उसके विरुद्ध पूर्व में भी इंदौर के विभिन्न थानों में आपराधिक प्रकरण दर्ज पाए गए हैं। इनमें थाना भंवरकुआं में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण, थाना तुकोगंज में मारपीट एवं धमकी से संबंधित मामला तथा थाना भंवरकुआं में मारपीट, धमकी एवं आबकारी अधिनियम से संबंधित प्रकरण शामिल हैं। क्राइम ब्रांच इंदौर द्वारा आरोपी से अवैध शराब के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में पूछताछ जारी है।

सिंगोली की कीर्ति से महका प्रदेशः 12वीं में 96% अंक लाकर जिला मेरिट में किया टॉप

भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हाथों सम्मानित हुई कीर्ति, मंच पर आत्मविश्वास देख गूंज उठा मिंटो हॉल

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिभाएं किसी परिचय की मोहताज नहीं होतीं और जब उन्हें सही दिशा मिले तो वे इतिहास रच देती हैं। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है सिंगोली नगर की लाड़ली बिटिया सुश्री कीर्ति पालीवाल ने।

जिनेन्द्र एजुकेशन एकेडमी की इस मेधावी छात्रा ने कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 96 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर न केवल जिला मेरिट सूची में प्रथम स्थान पाया है, बल्कि पूरे अंचल का नाम रोशन किया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मध्य प्रदेश सरकार की प्रतिभावान छात्र प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत राजधानी भोपाल के राज्य स्तरीय गरिमामयी समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कीर्ति को लैपटॉप की प्रोत्साहन राशि भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री के सवालों का बेझिझक दिया जवाब, बटोही प्रशंसा समारोह के दौरान एक अद्भुत दृश्य तब देखने को मिला जब मंच पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस होनहार बिटिया से कुछ प्रश्न पूछे। कीर्ति ने बिना किसी हिचकिचाहट के, अत्यंत शालीनता और गजब के आत्मविश्वास के साथ सटीक जवाब दिए। उसकी इस हाजिर जवाबी और मेधा को देखकर मुख्यमंत्री भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। समारोह में मौजूद मंत्रियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सिंगोली की इस बेटी का हौसला बढ़ाया।

नगर और समाज में उत्सव सा माहौल कीर्ति के पिता श्री सुनील पालीवाल और माता-पिता के त्याग को आज बेटी की सफलता ने सार्थक कर दिया है। इस सफलता से संपूर्ण पालीवाल समाज, जिनेन्द्र एजुकेशन एकेडमी परिवार और पूरे सिंगोली नगर में हर्ष और उत्सव का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन और सर्वसमाज के नागरिकों ने इसे नगर के इतिहास का एक स्वर्णिम क्षण बताते हुए लाड़ली बिटिया को ढेरों बधाइयां दी हैं और उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं की हैं।

श्री जांगड़ा पोरवाल समाज महिला मंडल मंदसौर ने सुंदरबन एडवेंचर पार्क का भ्रमण किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री जांगड़ा पोरवाल समाज महिला मंडल मंदसौर ने कजरी तीज के अवसर पर सुंदरबन एडवेंचर पार्क का भ्रमण किया। मंडल की 60 से अधिक महिलाओं ने पार्क में स्थित विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया।

अध्यक्ष कुसुम सेठिया ने बताया कि कजरी तीज महिलाओं का विशेष त्यौहार है ।ये भादौ माह में आती है। इस समय सम्पूर्ण प्रकृति हरियाली से आच्छादित रहती है। अतः महिलाएं शिव आराधना के साथ विभिन्न बाग बगीचों में पहुंच कर झूलों का आनंद लेती है। इसीलिए हमने सामूहिक वन विहार का आयोजन रखा। सभी महिलाएं अपने साथ विभिन्न फलों के बीजों की सिड्स बॉल बनाकर लाई जिन्हें यहां जंगल में डाला गया है जिससे जंगल में नए पौधे तैयार होंगे। सचिव निधि गुप्ता ने बताया कि जिस तरह आभुषणों से महिलाओं की सुंदरता बढ़ती हैं उसी तरह वृक्ष धरती के आभूषण है ये धरती की सुंदरता बढ़ाते हैं।हरी-भरी धरती मनुष्य के मन को प्रफुल्लित करती है। कोषाध्यक्ष हेमलता गुप्ता ने बताया कि यहां सभी महिलाओं ने शिव पुजन कर झूलों का आनंद लिया। तत्पश्चात देवडुगरी पहुंचकर मां अम्बे के दर्शन किये व देवी के भजनों पर नृत्य किया। डुगरी की तलहटी में सभी सदस्यों ने सामुहिक गेम खेलें व घर से लाएं गए स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया । इस अवसर पर मार्गदर्शन मंडल निर्मला मांदलिया, गीता धनोतिया, गीता पोरवाल, पुष्पा मरच्या, संतोष फरक्या के साथ सीमा पोरवाल, सुशीला मोदी, ममता रत्नावत, उषा रत्नावत, रानी रत्नावत, ज्योति काला, सुशीला घाटिया, किरण पोरवाल, सुनीता सेठिया, संगीता फरक्या, सुमित्रा सेठिया, रेखा मंडवारिया, निर्मला गुप्ता, गुणमाला धनोतिया, प्रीति सेठिया, रेखा पोरवाल, सारिका रत्नावत, सरिता सेठिया, वर्षा पोरवाल, कृष्णा सेठिया, मीता गुप्ता, संगीता गुप्ता, सविता गुप्ता, कांता गुप्ता, रेखा गुप्ता, अंकिता मांदलिया, उमा डबकरा, सुशीला डबकरा, हेमलता गुप्ता, हेमलता दानगढ़, प्रिया सेठिया, अन्नू सेठिया, सरिता मांदलिया, किरण गुप्ता, सुनीता धनोतिया, विद्या गुप्ता, अनिता उदिया, विद्या घाटिया, उर्मिला गुप्ता, मनीषा गुप्ता, मधु पोरवाल, कविता गुप्ता व कई बच्चों ने इस वन विहार का आनंद लिया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रिया फरक्या ने दी।

दलौदा पुलिस ने 92 पेटी बीयर व देशी शराब जब्त की, ड्राइवर भागा, पिकअप मालिक गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना प्रभारी दलौदा उनि रविन्द्र प्रताप डाँगी व उनकी टीम द्वारा 02 सितंबर को अवैध रूप से शराब का परिवहन कर ले जा रहे वाहन को पकड़कर 30 पेटी देशी प्लेन शराब व 62 पेटी बीयर व एक पिकअप वाहन कीमती 13 लाख 17 हजार 856 रुपये को जब्त किया है, जबकि ड्राइवर पुलिस टीम की आँखों से ओझल होकर भाग गया। मामले में पुलिस ने पिकअप मालिक होने पर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

घटना अनुसार दलौदा पुलिस टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुए ग्राम नाईखेड़ी से टोलखेड़ी आम रास्ते पर से मुखबिर द्वारा बताये हुलिये की एक सफेद रंग का पिकअप वाहन आते हुए दिखाई दिया। फोर्स की मदद से घेराबंदी कर करते उक्त पिकअप वाहन का चालक वाहन को रोड किनारे रोककर अंधेरे का फायदा उठाकर खेतो से होते हुए भाग गया। पिकअप वाहन की तलाशी लेते उसमें अवैध शराब देशी मदिरा प्लेन की 30 पेटियां व माउंट्स 6000 सुपर स्ट्रोंग बियर केन की 62 पेटियां जिनमें अवैध शराब की कुल मात्रा 1014 बल्क लीटर होकर कुल कीमती 317856 रुपये की पाई गई, जो मय पिकअप वाहन के जप्त कर पुलिस कब्जे ली गई। दौरान विवेचना वाहन लियाकत पिता अफजल खाँ मेव निवासी गौतम नगर दलौदा के नाम पर दर्ज होना पाया गया, जो वाहन स्वामी लियाकत को प्रकरण में गिरफ्तार कर अवैध शराब के स्त्रोत व अन्य तथ्यों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई में उनि रविन्द्र प्रताप डाँगी थाना प्रभारी दलौदा, सउनि कैलाश बघेल, प्रआर दीपेन्द्र सिंह, आरक्षक युवराजसिंह, आरक्षक सुनील यादव, आरक्षक चालक मुकेश नैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खरीफ फसलों की स्थिति का कृषि अधिकारियों ने लिया जायजा

किसानों को फसल निगरानी और कीट-व्याधि नियंत्रण के संबंध में दी सलाह

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार बुधवार को उप संचालक कृषि श्री नगीन सिंह रावत, सहायक संचालक श्री ओ.एस. बर्मन एवं कृषि अधिकारियों ने जावद विकासखंड के ग्राम अठाना, हनुमंतिया, खोर, धनेरिया, तुंबा, महेशपुरिया, सुवाखेड़ा, बरखेड़ा कामलिया सहित विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर खरीफ फसलों की स्थिति का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने किसानों को फसलों की सतत निगरानी रखने तथा निंदाई एवं कीट-व्याधि नियंत्रण के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी।

फसलों में कीट-व्याधि नियंत्रण के लिए सलाह- सोयाबीन में सेमीलूपर एवं गर्डल बीटलः प्रकोप दिखाई देने पर क्लोरएंट्रानिलीप्रोल 18.5 प्रतिशत एससी 150 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर अथवा पूर्व मिश्रित बीटा सायफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड 350 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर अथवा थायोमिथाक्सम + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 125 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

सोयाबीन एवं उड़द में पीला मोजेकः रसचूसक कीट एवं सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए डाईमिथोएट 30 प्रतिशत ईसी 750 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 200 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

मक्का में फॉल आर्मीवर्मः प्रकोप होने पर इमामेक्टिन बेंजोएट 220 ग्राम प्रति हेक्टेयर अथवा क्लोरएंट्रानिलीप्रोल + लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 200 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

मूंगफली में सफेद लटः क्लोथियानीडीन 50 प्रतिशत डब्ल्यूडीजी 250 ग्राम प्रति 1000 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर की दर से ड्रेंचिंग करें।

मूंगफली में व्याधि नियंत्रणः पूर्व मिश्रित टेबुकोनाजोल + सल्फर 1 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

खेतों में जलभरावः वर्षा के कारण खेतों में पानी भरने की स्थिति में तत्काल जल निकासी की व्यवस्था करें।

फलदार पौधों में कीट नियंत्रणः डाईमिथोएट 1.5 मिलीलीटर एवं कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 डब्ल्यूपी 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से स्प्रे करें।

सोयाबीन में जैविक नियंत्रणः कीट नियंत्रण एवं पक्षियों के माध्यम से जैविक नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए खेत में 30 से 40 टी आकार के बर्ड परचर लगाएं।

कृषि विशेषज्ञों से लें सलाह - कृषि अधिकारियों ने किसानों से कीट-व्याधि के लक्षण दिखाई देने पर बिना विलंब विशेषज्ञों से सलाह लेने की अपील की है। आवश्यक सलाह के लिए कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सी.पी. पचौरी से मोबाइल 9329468805 तथा कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. सारंगदेवोत से मोबाइल 9424530725 पर संपर्क किया जा सकता है।

साहित्यकार ओमप्रकाश क्षत्रिय प्रकाश भारत अवार्ड के लिए चयनित

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतनगढ़ नगर के प्रतिष्ठित बाल साहित्यकार ओमप्रकाश क्षत्रिय प्रकाश को उनकी उत्कृष्ट साहित्यिक सेवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर के भारत अवार्ड के लिए चुना गया है। उन्हें यह सम्मान आगामी 4 अक्टूबर को भोपाल में आयोजित होने वाले एक भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा।मिली जानकारी के अनुसार, प्रेस क्लब वेलफेयर वर्ल्ड वाइड फाउंडेशन द्वारा भोपाल स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में भारत अवार्ड सेरेमनी का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय समारोह में ओमप्रकाश क्षत्रिय प्रकाश को राइटर और ऑथर (लेखक एवं साहित्यकार) श्रेणी में इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा जाएगा। संस्था द्वारा यह सम्मान उनके द्वारा बाल साहित्य के क्षेत्र में किए गए निरंतर, अनुकरणीय और बेहतरीन कार्यो के लिए दिया जा रहा है।

काउंटर नारकोटिक्स ऑपरेशन के तहत राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं गुजरात पुलिस का तीन दिवसीय संयुक्त पुलिस अभ्यास

29 पुलिस टीमों ने करीब 300 स्थानों पर की कार्रवाई, 40 अपराधी गिरफ्तार एवं 31 फरार अपराधियों के संबंध में मिली महत्वपूर्ण सूचना

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चित्तौड़गढ़ डीजीपी-आईजीपी कॉन्फ्रेंस की रिकमेंडेशंस की पालना एवं पुलिस मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के क्रम में राजस्थान पुलिस की उदयपुर रेंज द्वारा सीमावर्ती राज्यों मध्यप्रदेश एवं गुजरात पुलिस के साथ तीन दिवसीय संयुक्त ऑपरेशन एक्सरसाइज आयोजित की गई। इस संयुक्त एक्सरसाइज में राजस्थान के चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर एवं उदयपुर तथा मध्यप्रदेश के नीमच, मंदसौर एवं रतलाम और गुजरात के साबरकांठा एवं अरावली जिलों की पुलिस ने भाग लिया।

पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज, उदयपुर श्री गौरव श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि संयुक्त ऑपरेशन के तहत 31 अगस्त को संबंधित जिलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने आपसी सूचनाओं का आदान-प्रदान कर संयुक्त कार्रवाई की योजना तैयार की। टेबल-टॉप एक्सरसाइज के माध्यम से टीमों का गठन किया गया तथा चिन्हित अपराधियों एवं उनके संभावित ठिकानों के संबंध में सूचनाओं का आदान-प्रदान किया गया।

01 सितंबर को गठित संयुक्त टीमों द्वारा चिन्हित अपराधियों एवं लक्ष्यों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। टीमों ने एक-दूसरे के सहयोग से सर्च एवं सीजर की कार्रवाई की तथा कुछ स्थानों पर संयुक्त नाके भी लगाए। इस कार्रवाई में 29 टीमों द्वारा करीब 300 अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की गई। संयुक्त ऑपरेशन के दौरान मादक पदार्थ तस्करी एवं विभिन्न अन्य अपराधों में संलिप्त 40 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अतिरिक्त 31 फरार अपराधियों के संबंध में महत्वपूर्ण आसूचना प्राप्त हुई तथा उन्हें सफलतापूर्वक लोकेट किया गया, जिनके विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बुधवार को जिंक गेस्ट हाउस चित्तौड़गढ़ में मध्यप्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संयुक्त डीब्रीफिंग सेशन आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज, उदयपुर श्री गौरव श्रीवास्तव द्वारा की गई। बैठक में डीआईजी रतलाम, पुलिस अधीक्षक नीमच, पुलिस अधीक्षक मंदसौर, पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़, पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़, पुलिस अधीक्षक बांसवाड़ा, पुलिस अधीक्षक एनसीबी, पुलिस अधीक्षक एएनटीएफ तथा असिस्टेंट डायरेक्टर आईबी सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में संयुक्त ऑपरेशन के दौरान प्राप्त अनुभवों एवं लर्निंग पॉइंट्स को साझा किया गया। साथ ही आगामी दिनों में संयुक्त एक्सरसाइज को और अधिक फोकस्ड एवं प्रभावी बनाने के लिए चिन्हित जोन, संभावित क्षेत्रों तथा अपराधियों की विभिन्न मोडस ऑपरेंडी पर विशेष रूप से चर्चा की गई। बैठक में दोनों राज्यों की पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज एवं रणनीतियों का भी आदान-प्रदान किया गया।

संयुक्त एक्सरसाइज का उद्देश्य अंतरराज्यीय एवं अंतरजिला सीमाओं का अपराधियों द्वारा उठाए जाने वाले लाभ को समाप्त करना, फरार एवं सक्रिय अपराधियों को प्रभावी रूप से गिरफ्तार करना तथा उनके आपराधिक नेटवर्क को चिन्हित कर उसे जड़ से उखाड़ना है। आगामी दिनों में भी राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं गुजरात पुलिस के बीच इसी प्रकार की संयुक्त एक्सरसाइज एवं समन्वित कार्रवाई लगातार जारी रखी जाएगी।

चीनी के स्टॉक की अधिकतम सीमा निर्धारित, 4 हजार क्विंटल से अधिक भंडारण पर रोक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन द्वारा जारी मध्यप्रदेश चीनी (अधिकतम स्टॉक सीमा एवं स्टॉक घोषणा नियंत्रण) आदेश, 2026 के तहत जिले में चीनी के भंडारण एवं स्टॉक की निगरानी को लेकर आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी, नीमच ने जिले के सभी चीनी डीलरों एवं व्यापारियों को सूचित किया है कि कोई भी डीलर/व्यापारी 4 हजार क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख सकेगा। साथ ही, प्राप्त स्टॉक को 30 दिवस से अधिक अवधि तक भंडारित नहीं किया जा सकेगा। सभी डीलर एवं व्यापारियों के लिए भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के पोर्टल https://foodstock.dfpd.gov.in पर अपने चीनी स्टॉक की घोषणा करना तथा उसमें नियमित रूप से अद्यतन जानकारी दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित डीलर/व्यापारी के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 एवं अन्य सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा सभी संबंधित व्यापारियों से स्टॉक सीमा एवं स्टॉक घोषणा संबंधी प्रावधानों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने की अपेक्षा की गई है।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत 3 सितंबर को रामपुरा में शिविर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत आमजन की समस्याओं के निराकरण, शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सुगमता से पहुंचाने तथा प्रशासन और नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से जिले में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 3 सितंबर 2026 को नगर परिषद रामपुरा में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में नगर परिषद रामपुरा के साथ ग्राम पंचायत बैसला, बारवाड़िया, मजीरिया, चेनपुरिया, चन्द्रपुरा, अमरपुरा, बुज, डायली, खिमलाब्लॉक, खेतपालिया, लसुडिया ईस्तमुरार एवं सोनडी के नागरिक शामिल होंगे। संबंधित क्षेत्रों के नागरिक अपनी समस्याओं, शिकायतों एवं शासकीय योजनाओं से जुड़े प्रकरण शिविर में प्रस्तुत कर सकेंगे। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास,जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव सहित जिले के समस्त जिला स्तरीय एवं खंड स्तरीय अधिकारी शिविर में उपस्थित रहेंगे। अधिकारियों द्वारा आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी तथा संबंधित विभागों के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन ने संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों से अपील की है कि वे 3 सितंबर को नगर परिषद रामपुरा में आयोजित शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं एवं आवेदन प्रस्तुत करें तथा मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का लाभ उठाएं।

अवैध खनिज परिवहन पर कलेक्टर की सख्ती, पांच प्रकरणों में 1.12 लाख रुपये से अधिक की शास्ति

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं खनिजों के अवैध उत्खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत पांच प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन मालिकों पर कुल एक लाख 12 हजार 280 रुपये की शास्ति अधिरोपित की है। कार्रवाई जिला खनिज अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों के आधार पर की गई। जिला खनिज अधिकारी के अनुसार 26 अगस्त 2026 को तहसील जावद के ग्राम नयागांव में जांच के दौरान ट्रैक्टर क्रमांक MP44ZD0776 से रैत पत्थर का अवैध परिवहन पाया गया। वाहन मालिक महेश पिता रामचन्द्र जूनी, निवासी चिताखेडा, तहसील जीरन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए रॉयल्टी की 15 गुना राशि 5 हजार 625 रुपये तथा 25 हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति सहित कुल 30 हजार 625 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई। इसी प्रकार 26 अगस्त 2026 को तहसील जावद के ग्राम सुवाखेडा में महिन्द्रा ट्रेक्टर क्रमांक MP09RF1115 से खण्डा पत्थर का अवैध उत्खनन पाए जाने पर वाहन मालिक जीवराज पिता मोतीलाल किर, निवासी कल्याणपुरा, तहसील निम्बाहेडा के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

मानसून की बेरुखीः नीमच में 20% ही रह जाएगा उत्पादन, जिला सूखा घोषित करने की मांग उठी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आसमान में बादलों की आवाजाही तो बनी हुई है, लेकिन खेतों को जिस झमाझम बारिश का इंतजार है, वह अब तक पूरी नहीं हो सकी है। मानसून की इस बेरुखी ने नीमच जिले के किसानों की चिंताओं को चरम पर पहुँचा दिया है। पर्याप्त बारिश नहीं होने से जिले की मुख्य खरीफ फसलें—सोयाबीन और मूंगफली बुरी तरह प्रभावित होने लगी हैं। आंकड़ों के मुताबिक, जिले में अब तक हुई बारिश पिछले वर्ष की तुलना में करीब आधी रह गई है। ऐसे में किसान अब आगामी दिनों में होने वाली बारिश से ही उम्मीद लगाए बैठे हैं।

किसानों का कहना है कि यदि आगामी 2 दिनों में अच्छी बारिश हो जाती है, तो करीब 50 फीसदी फसल को बचाया जा सकता है। लेकिन यदि आगामी 7 दिनों तक बारिश नहीं हुई, तो फसल उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होकर महज 20 प्रतिशत तक ही सिमट जाएगा। पानी की इस भारी कमी के चलते फसलों में दाना बनने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है, जिससे उत्पादन में भारी गिरावट के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े आर्थिक संकट की स्थिति बन सकती है।

मामले को लेकर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष गोविंद सिंह सांडा ने किसानों की गंभीर व्यथा उठाते हुए कहा कि नीमच जिले के किसानों को शुरुआत से ही लूटा जा रहा है। पहले किसानों को बाजार से बेहद महंगे दामों पर बीज खरीदने पड़े। इसके बाद बोवनी के समय समितियों से खाद गायब रही, जिसके कारण किसानों ने मजबूरी में कालाबाजारी से ऊंचे दामों पर खाद खरीदा।गोविंद सिंह सांडा ने बताया कि संकट यहीं खत्म नहीं हुआ। इस बार बारिश की कमी के कारण प्रत्येक किसान के खेत में मक्का की फसल में इल्टे (इल्ली) की बीमारी का भारी प्रकोप देखा जा रहा है।

किसानों ने कर्ज लेकर खेतों में महंगी-महंगी कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव किया है, लेकिन बारिश नहीं होने से ये दवाइयां भी बेअसर साबित हो रही हैं।

अन्नदाता इस समय चौतरफा मार झेल रहा है। कम पानी के कारण खेतों में कीट व्याधि तो बढ़ ही रही है, साथ ही जंगली सूअरों के अलावा अब बंदरों के झुंड भी खेतों को निशाना बना रहे हैं। बंदर खड़ी फसलों को उजाड़ रहे हैं जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

एनजीटी के आदेश के बावजूद तेलिया तालाब में कथित अतिक्रमण पर कार्रवाई कब होगी : राजेश रघुवंशी

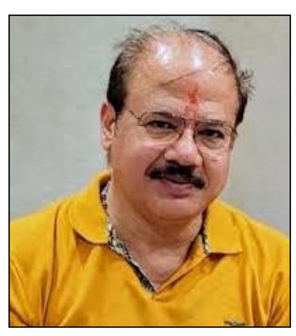

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश रघुवंशी ने मंदसौर के महत्वपूर्ण जलस्त्रोत तेलिया तालाब के संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद से सवाल किया है कि वर्तमान में भोपाल तालाब को लेकर पूरे प्रदेश के लिए जारी किए गए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी के कड़े निर्देशों के बाद भी मंदसौर तैलिया तालाब के आसपास हो रहे कथित अवैध निर्माण एवं भराव पर प्रशासनिक कार्रवाई के लिए आखिर मंदसौर की जनता को कब तक इंतजार करना पड़ेगा?

रघुवंशी ने कहा कि तेलिया तालाब के हाई फ्लड लेवल (एचएफएल) एवं डूब क्षेत्र में मिट्टी-मुरम का भराव कर कॉलोनियां विकसित किए जाने तथा व्यावसायिक गतिविधियों के लिए निर्माण किए जाने की शिकायतें निरंतर सामने आ रही हैं। यदि इन गतिविधियों पर तत्काल रोक नहीं लगाई गई तो पहले से ही प्रभावित तालाब की जलधारण क्षमता और प्राकृतिक जल प्रवाह और ज्यादा प्रभावित हो सकता है। रघुवंशी ने एनजीटी के ओए न. 111/2025 तथा अगस्त-सितंबर 2026 के आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि जलस्त्रोतों एवं वेटलैंड के संरक्षण के लिए ट्रिब्यूनल ने तालाबों के वैज्ञानिक सीमांकन, स्थायी सीमांकन पिलर लगाने तथा निर्धारित नो-कंस्ट्रक्शन जोन में आने वाले अवैध निर्माणों के विरुद्ध कार्रवाई के संबंध में निर्देश दिए हैं। परन्तु प्रश्न यह है कि इन स्पष्ट निर्देशों के आधार पर क्या प्रशासन तेलिया तालाब का वैज्ञानिक सीमांकन कराकर उसके एचएफएल एवं डूब क्षेत्र को स्पष्ट रूप से चिन्हित करेगा.? साथ ही, यह भी सवाल है कि निर्धारित नो-कंस्ट्रक्शन जोन में आने वाले निर्माणों एवं किए गए भराव की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई कब की जाएगी.? रघुवंशी ने कहा कि तेलिया तालाब मंदसौर की जल एवं पर्यावरण व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके कैचमेंट और डूब क्षेत्र को सुरक्षित रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद से मांग की कि एनजीटी के निर्देशों के अनुरूप तालाब का सीमांकन, अतिक्रमण एवं निर्माणों की जांच तथा आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाए। रघुवंशी ने कहा कि तेलिया तालाब का संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था का विषय नहीं, बल्कि पूरे मंदसौर की जल सुरक्षा और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है।

सम्पादकीय

अति की हदों को पार करती असहमति

इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही की जीडीपी विकास दर 7.8 प्रतिशत रहने पर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जब यह कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बावजूद यह वृद्धि देश के लोगों की सामूहिक शक्ति और आर्थिक आत्मविश्वास का परिणाम है तो कांग्रेस को यह बिल्कुल रास नहीं आया। उसने अर्थव्यवस्था की तमाम कमजोरियों का उल्लेख करते हुए मोदी सरकार को निशाने पर लिया। ऐसा नहीं है कि आर्थिक मोर्चे पर किसी तरह की समस्याएं नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस का उद्देश्य उन्हें गिनाना नहीं, बल्कि यह सिद्ध करना था कि जीडीपी में वृद्धि किसी तरह की उपलब्धि नहीं है। उसने यह काम पूरी शिद्दत से किया और इसके लिए कई प्रवक्ताओं को मैदान में उतारा। निःसंदेह किसी को यह अपेक्षा नहीं करनी चाहिए कि विपक्ष सरकार की प्रशंसा करेगा।

विपक्ष का काम सरकार की खामियों को इंगित करना और उसकी गलतियों के लिए उसे कठघरे में खड़ा करना है। इससे ही सरकारों पर दबाव बनता है और वे सही तरह काम करने के लिए बाध्य होती हैं, लेकिन पिछले लगभग दो दशकों से असहमति की राजनीति अपनी हदों को पार कर विरोध के लिए विरोध की राजनीति में बदल चुकी है।

विरोध के लिए विरोध की राजनीति के चलते आज राजनीतिक माहौल इतना कटुतापूर्ण, छिद्रान्वेषी और नकारात्मक हो गया है कि यदि कोई नेता ऐसा कुछ कह दे कि नियमों का पालन करें और संयम एवं अनुशासन का परिचय दें तो विरोधी दल के नेता इसका भी विरोध करने के लिए आगे आ सकते हैं। इसके लिए उनके पास तरह-तरह के (कु)तर्क भी होंगे। कटु एवं नकारात्मक राजनीतिक विमर्श का असर सामाजिक विमर्श पर भी पड़ रहा है।

यह एक तथ्य है कि सोशल मीडिया कहे जाने वाले डिजिटल प्लेटफार्मों पर विचार-विमर्श का स्थान गाली-गलौज ने ले लिया है। इसका कारण यह है कि राजनीतिक दलों के आइटी सेल विरोधी दलों के नेताओं पर प्रायः बिलो द बेल्ट यानी अपमानजनक प्रहार करते ही रहते हैं। अब ऐसे प्रहार करने के लिए एआइ का भी सहारा लिया जा रहा है। कई बार इसकी चपेट में महिला नेता भी आ जाती हैं। इसके नतीजे में राजनीतिक और सामाजिक माहौल बुरी तरह दूषित हो रहा है। इस प्रदूषण के दूर होने की कोई सूरत नहीं दिखती। कटुतापूर्ण राजनीति ने महापुरुषों को भी बांट दिया है। अब राजनीति और समाज के स्तर पर लोग किसी राष्ट्रीय दायित्व या अभियान के प्रति कठिनाई से ही एकमत और एकजुट होते दिखते हैं, जबकि देश की कई समस्याएं ऐसी हैं, जिन्हें लोगों की सामूहिक भागीदारी से ही दूर किया जा सकता है, जैसे सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी से मुक्ति।

स्वच्छ भारत जैसे अभियान असरहीन होते दिख रहे हैं तो इसीलिए कि इस अभियान में आम जनता की पहली जैसी भागीदारी नहीं दिखती। जब यह अभियान शुरू हुआ था तो आम लोगों की इसमें दिलचस्पी और भागीदारी दिख रही थी कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैले, लेकिन अब वह दिखाई नहीं देती। यह एक ऐसा अभियान है, जो आम जनता की भागीदारी के बिना सफल नहीं हो सकता। यदि लोग सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलने से रोकने के लिए सक्रिय-सचेत नहीं रहते तो सरकारें और उनकी एजेंसियां कुछ भी कर लें, बात बनने वाली नहीं है।

विडंबना यह है कि जब से यह अभियान शुरू हुआ, तबसे शायद ही किसी विपक्षी नेता ने इसे सफल बनाने में अपने लोगों को भागीदार बनने के लिए प्रेरित किया हो। कुछ ऐसी ही स्थिति बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों की भी है। विरोधी राजनीतिक दलों को लगता है कि जिस दल ने इन अभियानों को शुरू किया, उनके लोगों को ही इनमें भागीदार बनने की आवश्यकता है। शायद यही कारण है कि हर घर तिरंगा जैसे अभियानों में भी सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी नहीं दिखती। इसमें गहन संदेह है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विरोधी राजनीतिक दल किसी तरह का उत्साह-उमंग दिखाते होंगे। हैरानी नहीं कि मोदी सरकार के हटते ही इस दिवस को मनाना ही बंद कर दिया जाए।

यह एक तथ्य है कि जनभागीदारी वाले कई सामाजिक अभियान महज मोदी सरकार के अभियान बनकर रह गए हैं। यह स्थिति तब है, जब देश में कई समस्याएं ऐसी हैं, जिनका समाधान जनता की सामूहिक भागीदारी से ही किया जा सकता है। संकट यह है कि अब राजनीतिक दल किसी भी मुद्दे पर एकमत नहीं होते-न तो संसद में और न ही संसद के बाहर। हालांकि इसके लिए राष्ट्रीय एकता परिषद के रूप में एक मंच है, लेकिन वह लंबे समय से निष्क्रिय है। यह सही समय है कि इस निष्क्रिय मंच को सक्रिय किया जाए। राष्ट्रीय एकता परिषद एक गैर-संवैधानिक निकाय है। इस परिषद के अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं। इसके सदस्यों में सभी मुख्यमंत्री, राजनीतिक दलों के नेता, विभिन्न आयोगों के अध्यक्ष, उद्योग, व्यापार, मीडिया और श्रमिक संघों के प्रतिनिधि होते हैं। इसकी स्थापना 1961 में की गई थी।

कहीं यह मंच इसलिए तो निष्क्रिय नहीं कि इसकी स्थापना प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी? जो भी हो, यह ध्यान रहे कि इस परिषद का उद्देश्य सांप्रदायिकता, जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद और संकीर्णता जैसी समस्याओं का सामना करना था। कोई इससे इन्कार नहीं कर सकता कि इन समस्याओं का सामना करने की आवश्यकता आज भी है और इसकी पूर्ति सबके सहयोग से ही संभव है।

श्री कृष्ण द्वारा वर्णित योगक्षेम की अनुभूति ही है सहजयोग

योग - परमात्मा से एकाकारिता

क्षेम - जीवन का कल्याण

आज से लगभग छः हजार वर्ष पूर्व श्री कृष्ण का अवतरण हुआ। श्री कृष्ण लीला मथुरा के कारागृह से प्रारंभ होकर द्वारिका के विनाश पर समाप्त होती है। हम सभी उनकी विभिन्न लीलाओं से भलीभांति परिचित हैं। उनका प्रत्येक कार्य विशिष्ट उद्देश्य के लिए किया गया था, तथा इनके माध्यम से आने वाले युग की नींव उनके द्वारा स्थापित की गई। कलियुग में भ्रांति की प्रधानता है परंतु यही पुनरुत्थान व सत्य की प्राप्ति का युग भी है। श्री कृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि जब जब धर्म की हानि हो तब तब मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतरित होता हूं। धर्म की वास्तविक स्थापना उनके द्वारा महाभारत के युद्ध में की जाती है जहां वे अर्जुन को गीता का संदेश देते हैं। गीता कोई एक किताब नहीं जिसका शाब्दिक अनुवाद किया जा सके। गीता भगवान कृष्ण के भक्ति योग, कर्म योग, व ज्ञान योग की एक जीवंत प्रस्तुति है। परंतु गीता के योग को समझने के लिए साधक को पहले योगी होना होगा क्योंकि गीता अनन्य भक्ति, निष्काम काम व सहज ज्ञान का उपदेश देती है। जिसे समझना आत्म साक्षात्कार की प्राप्ति के बिना संभव नहीं।

वास्तव में गीता में भगवान श्री कृष्ण आज के सहज योग का वर्णन करते हैं वे कहते हैं, आपको सभी धर्मों से परे जाना है। मनुष्य के अंदर के साधक को वे यह संदेश देते हैं कि उसे सत्य की पहचान करनी होगी, साक्षी स्वरूप होना होगा, कर्मकांड को छोड़ना होगा, संतुलन को प्राप्त कर गुणातीत, कालातीत व धर्मातीत हो कर कर्मयोग को अपना साधन बनाना होगा। श्रीकृष्ण का अपने भक्तों को संदेश हैं - योगक्षेमं वहाम्यहम्-- अप्राप्त वस्तुकी प्राप्ति करा देना योग है और प्राप्त सामग्री की रक्षा करना क्षेम है। भगवान् कहते हैं कि मुझ में नित्य-निरन्तर लगे हुए भक्तों का योगक्षेम मैं वहन करता हूं।

श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित सहजयोग योगक्षेम प्रदान करने वाला सहज मार्ग है। सहजयोग में कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति होती है और तब साधक श्री कृष्ण को आत्मसात कर अनन्य भक्ति को प्राप्त कर लेता है।

जब जलवायु घर छीन रही हो, कानून को छत बनना होगा

बाढ़ और कटाव से घर उजड़ते हैं, परिवारों का भविष्य भी बह जाता है; लेकिन कानून में उनके लिए कोई ठिकाना नहीं। भारत में जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चेतावनी नहीं, लाखों लोगों की वर्तमान त्रासदी है। 2024 में जलवायु संबंधी आपदाओं से 54 लाख आंतरिक विस्थापन दर्ज हुए—दक्षिण एशिया में सबसे अधिक। करीब दो-तिहाई बाढ़ से जुड़े थे। 2022 में यह आंकड़ा 25 लाख था। असम, सुंदरबन, ओडिशा और बिहार के नदी-तटीय इलाकों में परिवार हर साल घर, खेत और पहचान खो रहे हैं। फिर भी अब तक (2026) ऐसा कोई कानून नहीं, जो उन्हें 'जलवायु विस्थापित' मानकर अधिकार तय करे। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 तत्काल राहत तक सीमित है; स्थायी पुनर्वास और मुआवजे का अधिकार कानून से बाहर है।

नदी का पानी उतर जाए तो आदमी घर लौट सकता है, लेकिन कटाव जमीन निगल जाए तो लौटने को कुछ बचता नहीं। यही नदी-कटाव को बाढ़ से अधिक क्रूर बनाता है। ब्रह्मपुत्र 1950 के बाद से असम की 4.27 लाख हेक्टेयर जमीन निगल चुकी है। माजुली द्वीप 1970 के दशक में 1,250 वर्ग किलोमीटर था, जो अब 350-600 वर्ग किलोमीटर रह गया है। सरकारी आंकड़े 2014-24 के बीच 17,390 लोगों के विस्थापन की बात करते हैं, जबकि संसद में दिए जवाब 86 हजार से अधिक लोगों की भूमिहीनता बताते हैं। तटबंधों या सरकारी जमीन पर बसे परिवार 'अतिक्रमणकारी' कहलाते हैं। भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में राज्य जमीन ले तो मुआवजा है; नदी ले जाए तो न अधिग्रहण माना जाता है, न मुआवजा।

सबसे गहरी चोट तब लगती है, जब जमीन का अस्तित्व मिट गया हो और उसी का कागज मांगकर इंसान को राहत से बाहर कर दिया जाए। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन, आजीविका और आश्रय का अधिकार देता है, लेकिन अदालतें भी इस संकट का व्यापक समाधान नहीं कर पाई हैं। गौहाटी उच्च न्यायालय ने कुछ मामलों में राहत दी है, पर व्यापक नीति नहीं बनी। असम की 2020 की पुनर्वास नीति 2023 में संशोधित/आंशिक रूप से वापस ली गई। पंद्रहवें वित्त आयोग ने कटाव प्रभावितों के लिए अलग फंड की सिफारिश की थी और 2024 में केंद्र ने कुछ दिशानिर्देश जारी किए, मगर जमीनी पहुंच सीमित है। दस्तावेजों की शर्त उस परिवार के सामने है, जिसकी जमीन और कागज दोनों नदी में समा चुके हैं।

उजड़ना केवल गांव छोड़ना नहीं है; यह आदमी को उसकी पुरानी पहचान से भी बेदखल कर देता है। सुंदरबन में बढ़ती लवणता खेती और मछली पालन खत्म कर रही है। खेत और पानी जब रोजी छीन लेते हैं, तो परिवार शहरों की ओर जाता है। वहां झुग्गियों में नई जिंदगी शुरू होती है—मगर अधिकारों के बिना। कोई राष्ट्रीय रजिस्टर, स्पष्ट नोडल एजेंसी नहीं है। 2022 का निजी सदस्य विधेयक—क्लाइमेट माइग्रेंट्स (प्रोटेक्शन एंड रिहैबिलिटेशन) बिल—संसद में आगे नहीं बढ़ सका। इस बीच जलवायु विस्थापन अस्थायी घटना नहीं, स्थायी और संरचनात्मक संकट बनता जा रहा है। व्यवस्था फिर भी उसे 'आपदा' की छोटी अवधि में बांधकर देख रही है। दुनिया के दूसरे हिस्सों में कानून ने बदलती जलवायु की आहट सुन ली है, लेकिन भारत में उजड़े लोगों की आवाज व्यवस्था की दीवारों से टकराकर लौट आती है। बांग्लादेश और फिजी ने जलवायु विस्थापितों को कानूनी पहचान देने की दिशा में कदम उठाए हैं। ऑस्ट्रेलिया-तुवालु समझौता बताता है कि जलवायु आवागमन को कानूनी ढांचे में जगह दी जा सकती है। भारत में कार्बन सेस और पर्यावरणीय जुर्माने से समर्पित फंड बनाने के प्रस्ताव हैं, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। जब बांध या हाईवे परियोजना से विस्थापित व्यक्ति को मुआवजा और पुनर्वास मिलता है, तो प्रकृति से उजड़े परिवार को क्यों नहीं? जमीन जाने का दर्द उसके कारण से कम नहीं होता।

इस कानून-विहीनता का सबसे भारी बोझ उन्हीं पर पड़ता है, जो पहले ही गरीबी ढो रहे हैं। आदिवासी, दलित और गरीब किसान जलवायु विस्थापन के सबसे असुरक्षित शिकार हैं। उनके लिए जमीन केवल संपत्ति नहीं, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और पीढ़ियों की पहचान है। जमीन जाने के साथ बच्चों की पढ़ाई, रोजी और समुदाय से जुड़ाव टूटता है। उनकी आवाज संसद तक पहुंचना कठिन है। चुनावी घोषणापत्रों में जलवायु विस्थापन का उल्लेख नहीं के बराबर है और सरकारी सर्वेक्षणों में भी यह प्राथमिकता नहीं बन पाया। जब विस्थापितों को कानून कोई नाम नहीं देता, तो उनके अधिकारों की मांग भी अनसुनी रह जाती है। यह केवल प्रशासनिक कमी नहीं, संवैधानिक समानता का गंभीर प्रश्न है।

अब राहत की घोषणा से आगे बढ़कर ऐसे कानून की जरूरत है, जो उजड़ने के बाद भी नागरिक को अकेला न छोड़े। समर्पित कानून जलवायु विस्थापितों को स्पष्ट पहचान दे, पंजीकरण करे, पुनर्वास को अधिकार बनाए और स्थायी फंड सुनिश्चित करे। भूमि खोने वालों को दस्तावेजी अड़चनों से राहत मिले तथा आवास, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था हो। अनुच्छेद 21 और राज्य के नीति-निर्देशक तत्व इसका संवैधानिक आधार दे सकते हैं। पंद्रहवें वित्त आयोग की सिफारिश के अनुरूप अलग कोष बनाया जा सकता है। कार्बन सेस और पर्यावरणीय जुर्मानों से भी संसाधन जुटाए जा सकते हैं। सवाल यह नहीं कि उपाय संभव हैं या नहीं; सवाल है कि राजनीतिक इच्छा कब पैदा होगी।

सवाल अब यह है कि हर साल उजड़ रहे लाखों लोगों की जिम्मेदारी कौन लेगा? वे किसी युद्ध के शरणार्थी नहीं, फिर भी विस्थापित हैं; उन्होंने जमीन बेची नहीं, फिर भी भूमिहीन हैं; उन्होंने शहर चुना नहीं, फिर भी पलायन को मजबूर हैं। नदी को दोष देकर राज्य अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। यदि कानून उन्हें पहचान नहीं देता, तो मुआवजा अपवाद और पुनर्वास एहसान बन जाता है। तब बाढ़ और कटाव महज प्राकृतिक आपदाएं नहीं रहते, वे संवैधानिक अन्याय की शक्ल लेते हैं। नदी जमीन छीन ले, यह प्रकृति की विवशता हो सकती है; लेकिन उसके साथ इंसान का अधिकार भी बह जाए, यह राज्य की विफलता होगी।

-प्रो. आरके जैन

विकसित भारत के लिए अनुसंधान एवं विकास में बढ़ाना होगा निजी क्षेत्र का निवेश

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के हाल ही में जारी आंकड़ों से पता चलता है कि भारत का अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) निवेश 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.84 फीसदी को पार कर गया है, जो अब तक का उच्चतम स्तर है और इसके और बढ़ने की संभावना है। लगभग एक दशक से अनुसंधान एवं विकास की तीव्रता जीडीपी के 0.6 फीसदी से 0.7 फीसदी के बीच अटकी हुई थी। इस महत्त्वपूर्ण आंकड़े के भीतर एक और महत्त्वपूर्ण बदलाव छिपा है- निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 2020-21 में 32 फीसदी से बढ़कर मात्र तीन वर्षों में 45 फीसदी हो गई है।

स्वतंत्र भारत के इतिहास के अधिकांश समय में अनुसंधान सरकार का मामला रहा है। निजी क्षेत्र का इस गति से विकास, अर्थव्यवस्था के बढ़ते आत्मविश्वास और उद्योग जगत द्वारा अपने स्वयं के विचारों पर गंभीरता से दांव लगाने का संकेत देता है।

वर्ष 1990 के बाद से केवल 34 मध्यम-आय वाली अर्थव्यवस्थाएं ही उच्च-आय वाली अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी में पहुंच पाई हैं जबकि 108 अभी भी वहीं अटकी हुई हैं। जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसी जिन अर्थव्यवस्थाओं ने तेल या खनिजों के अप्रत्याशित लाभ के बिना यह छलांग लगाई है, उनमें एक तरह का पैटर्न देखने को मिलता है। इन सभी ने अपनी आय के लगभग वर्तमान भारत के स्तर पर रहते हुए अनुसंधान में भारी निवेश किया और विकास के साथ-साथ इस निवेश को और भी बढ़ाया।

एक तुलना सबसे महत्त्वपूर्ण है। वर्ष 2007 में चीन का प्रति व्यक्ति जीडीपी 2,700 डॉलर था, जो आज भारत के जीडीपी के लगभग बराबर है लेकिन इसकी अनुसंधान एवं विकास तीव्रता भारत की तुलना में लगभग दोगुनी यानी जीडीपी का 1.49 फीसदी थी। वर्ष 2007 और 2024 के बीच चीन का जीडीपी 5.5 गुना बढ़ा, लेकिन इसके निजी क्षेत्र के अनुसंधान एवं विकास में 10 गुना से अधिक की वृद्धि हुई। उद्योग ने विकास से आगे बढ़कर निवेश किया, जिसने चीन को आज की तकनीकी महाशक्ति में बदल दिया। भारत की विकसित भारत की महत्त्वाकांक्षा को साकार करने के लिए 2035 तक अनुसंधान एवं विकास को सकल घरेलू उत्पाद के 2 फीसदी तक लाना होगा, जिसमें उद्योग का योगदान 70 फीसदी होना चाहिए। और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, 2030 तक एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करनी है- सकल घरेलू उत्पाद का 1.3 फीसदी, जिसमें कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़कर कम से कम 60 फीसदी हो जाए।

सरकार ने इस दिशा में कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। अनुसंधान नैशनल रिसर्च फंड (एएनआरएफ) और अनुसंधान, विकास एवं नवाचार कोष (आरडीआईएफ) प्रारंभिक चरण के अनुसंधान जोखिमों को कम करने और उद्योग को विकास के लिए उत्प्रेरक पूंजी प्रदान करने के लिए मौजूद हैं। यह एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन अंतिम लक्ष्य नहीं।

-सुनील कुमार महला

ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत संगम है श्रीकृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण भारत की माटी, भारत की आत्मा और भारत के जनजीवन की धड़कन हैं। वे केवल आराधना के देवता नहीं, बल्कि जीवन को देखने की एक दृष्टि, संघर्षों से जूझने की प्रेरणा और भविष्य की ओर बढ़ने की दिशा हैं। वे ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत एवं निराला संगम हैं। श्रीकृष्ण के बिना भारतीय जीवन-दर्शन की कल्पना अधूरी है। जीवन के लगभग प्रत्येक आयाम-परिवार, समाज, राजनीति, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति, प्रेम, मित्रता, कर्तव्य, त्याग, नेतृत्व और आध्यात्मिकता में श्रीकृष्ण के विचारों और आदर्शों की छाप दिखाई देती है। इसीलिए जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारने का अवसर है। श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्भुत एवं विलक्षण महानायक हैं, जिनके व्यक्तित्व में विरोधाभास दिखाई देने वाले अनेक गुण एक साथ समाहित हो जाते हैं। वे द्वारका के शासक हैं, लेकिन उन्हें सामान्यतः 'राजा श्रीकृष्ण' नहीं कहा जाता। वे ब्रजनंदन हैं, नंदलाल हैं, कन्हैया हैं, माखनचोर हैं, गोपियों के चितचोर हैं और रासरचैया हैं। यही उनकी महानता है कि सत्ता के शिखर पर पहुंचकर भी वे जनमानस से कभी दूर नहीं हुए। उनका नेतृत्व राजमहलों तक सीमित नहीं था, वह गांवों की गलियों, ग्वाल-बालों, किसानों, पशुपालकों और सामान्य जन के हृदय तक पहुंचता था।

श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि श्रेष्ठ नेतृत्व केवल अधिकार प्राप्त करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की कला है। उन्होंने सत्ता को कभी व्यक्तिगत सुख का साधन नहीं बनाया। समाज और राष्ट्र की व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी और धर्म उनकी आत्मनिष्ठा। इसीलिए उन्होंने परिस्थितियों से पलायन नहीं किया। जहां प्रेम की आवश्यकता थी वहां प्रेम दिया, जहां मित्रता की आवश्यकता थी वहां मित्र बने, जहां संवाद जरूरी था वहां संवाद किया और जहां अधर्म का प्रतिकार आवश्यक हुआ वहां अत्यंत कठोर होकर सामने आए। यही संतुलन कुशल नेतृत्व की सबसे बड़ी पहचान है। आज प्रबंधन की दुनिया में निर्णय क्षमता, समय-प्रबंधन, संकट-प्रबंधन, नेतृत्व, संवाद-कौशल, मनोविज्ञान और रणनीति को सफलता की अनिवार्य शर्त माना जाता है। इन सभी क्षेत्रों में श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण उदाहरण प्रस्तुत करता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन जब मोह और मानसिक द्वंद्व से घिरकर अपने कर्तव्य से विमुख होने लगे, तब श्रीकृष्ण ने उन्हें केवल युद्ध के लिए प्रेरित नहीं किया, बल्कि जीवन का विराट दर्शन दिया। उन्होंने अर्जुन को कर्म का मर्म समझाया-मनुष्य का अधिकार कर्म पर है, परिणाम पर नहीं। यह संदेश आज भी हर विद्यार्थी, कर्मचारी, उद्यमी, प्रशासक, राजनीतिज्ञ और सामान्य व्यक्ति के लिए उतना ही उपयोगी है।

हमारी सबसे बड़ी कमजोरी अक्सर कर्म से अधिक परिणाम की चिंता होती है। परिणाम की चिंता मन को भय, तनाव और असमंजस से भर देती है। श्रीकृष्ण का कर्मयोग इस मानसिक बोझ से मुक्ति का मार्ग देता है। अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा, क्षमता और ईमानदारी से करना और परिणाम को व्यापक व्यवस्था पर छोड़ देना-यह जीवन-प्रबंधन का ऐसा सूत्र है जिसकी उपयोगिता कभी समाप्त नहीं हो सकती। श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक थी-स्थिर बुद्धि। शिशुपाल ने राजसूय यज्ञ की सभा में उन्हें लगातार अपमानित किया, फिर भी वे शांत रहे। दुर्योधन के दरबार में शांति-दूत बनकर गए और वहां भी उनका अपमान हुआ, लेकिन वे विचलित नहीं हुए। इससे हमें सीख मिलती है कि उत्तेजना में लिया गया निर्णय प्रायः समस्या बढ़ाता है, जबकि शांत मन समाधान का रास्ता खोलता है। आधुनिक परिवारों से लेकर संसद, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक, यह प्रबंधन-सूत्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

श्रीकृष्ण केवल युद्धनीति के ज्ञाता नहीं थे, वे शांति के भी सबसे बड़े समर्थक थे। महाभारत का युद्ध उनकी पहली पसंद नहीं था। उन्होंने युद्ध रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। जब संवाद और न्याय की संभावनाएं समाप्त हो गई, तभी धर्म की रक्षा के लिए युद्ध का मार्ग स्वीकार किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि शक्ति का अर्थ हिंसा नहीं, बल्कि न्याय की रक्षा करने की क्षमता है। सच्ची शांति वही है जिसके पीछे न्याय और आत्मबल की शक्ति हो। श्रीकृष्ण का सामाजिक दृष्टिकोण भी अत्यंत व्यापक था। उन्होंने ग्रामीण जीवन, गौ-संस्कृति, प्रकृति और सामुदायिक जीवन को सम्मान दिया। गोवर्धन प्रसंग हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामुदायिक एकता का संदेश देता है। माखन और दूध-दही के प्रसंगों को केवल बाल-क्रीड़ा के रूप में देखने के बजाय उनमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय संसाधनों की रक्षा का संदेश भी देखा जा सकता है। श्रीकृष्ण का लोकजीवन से जुड़ाव बताता है कि कोई भी राष्ट्र तभी मजबूत बन सकता है जब उसकी विकास-यात्रा गांवों, किसानों, श्रमिकों और सामान्य नागरिकों को साथ लेकर चले। उनका व्यक्तित्व एक अद्भुत समन्वय है। वे अर्जुन के सारथी हैं और साथ ही विश्वरूप के दर्शन कराने वाले योगेश्वर। वे सुदामा के मित्र हैं और अत्याचारियों के लिए सुदर्शन चक्रधारी। वे बांसुरी की मधुरता हैं तो धर्मरक्षा के लिए आवश्यक कठोरता भी। वे प्रेम हैं, करुणा हैं, नीति हैं, रणनीति हैं, त्याग हैं और कर्म हैं। इसीलिए श्रीकृष्ण को किसी एक सीमा में बांधना उनके विराट व्यक्तित्व को छोटा करना होगा।

श्रीकृष्ण का एक महत्वपूर्ण संदेश है कि व्यक्ति को अपनी क्षमताओं का बहुआयामी विकास करना चाहिए। परंपरा में उनके द्वारा चौंसठ कलाओं के ज्ञान का उल्लेख मिलता है। इसका व्यापक संदेश यह है कि शिक्षा केवल रोजगार पाने का साधन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व को पूर्ण बनाने की प्रक्रिया है। आज के समय में जब शिक्षा को केवल अंक, नौकरी और प्रतियोगिता तक सीमित करने का खतरा है, श्रीकृष्ण का जीवन हमें ज्ञान, कला, कौशल, सृजनशीलता और चरित्र के समन्वय की प्रेरणा देता है। श्रीकृष्ण की राजनीति सत्ता प्राप्ति की राजनीति नहीं, बल्कि लोककल्याण और धर्मस्थापना की राजनीति थी। उनके जीवन में हमें यह सूत्र मिलता है कि सत्ता पर नैतिकता का अंकुश होना चाहिए और शक्ति का उपयोग जनहित के लिए होना चाहिए। आज भारत विकसित भारत के 2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। आर्थिक शक्ति, विज्ञान, तकनीक, रक्षा, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक समरसता-हर क्षेत्र में भारत नई संभावनाओं की ओर बढ़ रहा है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण का दर्शन हमें बताता है कि विकास केवल भौतिक समृद्धि का नाम नहीं है। विकास तब सार्थक होगा जब उसमें चरित्र होगा, कर्तव्य होगा, करुणा होगी, न्याय होगा और अंतिम व्यक्ति के जीवन में भी आशा का प्रकाश पहुंचेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण की जो व्यापक यात्रा चल रही है, उसमें श्रीकृष्ण के कर्म, कर्तव्य, रणनीति, राष्ट्रहित और लोककल्याण के आदर्शों से प्रेरणा लेने की बड़ी संभावनाएं हैं।

अंतरराष्ट्रीय जीवन में भी श्रीकृष्ण का संदेश महत्वपूर्ण है। आज दुनिया संघर्षों, युद्धों, अविश्वास और शक्ति-संघर्षों से जूझ रही है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण की नीति कहती है-पहले संवाद, फिर समन्वय और अंततः न्याय की रक्षा के लिए आवश्यक शक्ति। भारत यदि विश्व में शांति, सह-अस्तित्व और मानवकल्याण का मार्ग प्रशस्त करना चाहता है तो उसे अपनी सांस्कृतिक चेतना के इस महान स्रोत से ऊर्जा लेनी होगी। श्रीकृष्ण हमें यह भी सिखाते हैं कि जीवन केवल सुख का नाम नहीं है। संघर्ष आएंगे, परिस्थितियां बदलेंगी, प्रियजन दूर होंगे, संकट सामने खड़े होंगे, लेकिन मनुष्य को अपने धर्म और कर्तव्य से विचलित नहीं होना चाहिए। यही कारण है कि गीता का संदेश किसी एक युग, धर्म या समुदाय के लिए नहीं, बल्कि समूची मानवता के लिए जीवन का मार्गदर्शन बन गया है।

जन्माष्टमी के अवसर पर हमें केवल मंदिरों में घंटियां नहीं बजानी हैं, बल्कि अपने भीतर के अंधकार को भी पहचानना है। हमारे भीतर का कंस अहंकार हो सकता है, लोभ हो सकता है, क्रोध हो सकता है, भय हो सकता है और स्वार्थ भी। हमारे भीतर का अर्जुन भ्रमित और कमजोर हो सकता है। ऐसे में हमें अपने भीतर के श्रीकृष्ण को जगाना होगा-विवेक के रूप में, कर्म के रूप में, साहस के रूप में, प्रेम के रूप में और सत्य के रूप में। श्रीकृष्ण कोई बीता हुआ इतिहास नहीं हैं। वे भारतीय चेतना की सतत प्रवाहित जीवन-ऊर्जा हैं। वे केवल एक महानायक नहीं, बल्कि जीवन के महाप्रबंधक हैं। केवल धर्म के उपदेशक नहीं, बल्कि कर्म की प्रेरणा हैं। केवल बांसुरी की मधुर धुन नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध उठने वाला सुदर्शन भी हैं। श्रीकृष्ण एक व्यक्ति नहीं, एक दृष्टि हैं। श्रीकृष्ण एक कथा नहीं, एक चेतना हैं। श्रीकृष्ण केवल आराध्य नहीं, जीवन को श्रेष्ठ बनाने की प्रेरणा हैं।

-ललित गर्ग

समझी जाएं जेन-जी की आकांक्षाएं

आज भारतीय राजनीति में जेन-जी को लेकर जो हलचल दिख रही है, वह कोई अचानक उभरा हुआ रुझान नहीं है। यह एक बड़े बदलाव की स्वीकृति है। सवाल यह है कि क्या यह पीढ़ी वाकई राजनीति में इतनी अहम है या फिर मीडिया के एक हिस्से और इंटरनेट मीडिया की देन है? सच्चाई इन दोनों के बीच है। बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने वाली बात यह है कि हर चुनावी विश्लेषण अब जेन-जी को किसी जादुई ताकत की तरह पेश करने की जल्दी में है। वह भी तब जब हमारे चुनाव अब भी बहुत हद तक स्थानीय मुद्दों, जातिगत समीकरणों, सरकारी योजनाओं और नेताओं की छवि से ही तय होते हैं। भारत की करीब एक चौथाई आबादी जेन-जी है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या के बावजूद राजनीतिक फैसलों के केंद्र में अपेक्षित स्थान नहीं पा रही। यही असंतुलन इसे अहम बना देता है। जब कोई इतना बड़ा तबका संस्थाओं के भीतर अपनी बात कहने की जगह नहीं पाता, तो वह स्वाभाविक रूप से संस्थाओं के बाहर अपनी आवाज ढूंढ़ने लगता है।

जेन-जी की प्रकृति और स्वरूप पर विचार करें तो यह कोई एक जैसा एकरूप समूह नहीं है। यह इलाके, भाषा, जाति, वर्ग और आर्थिक हैसियत के हिसाब से बहुत अलग-अलग है। इसे ÷वोट बैंक÷ कहना उसकी असली तस्वीर को छोटा करके देखना होगा। बेंगलुरु के किसी स्टार्टअप में काम करने वाला युवक, प्रयागराज में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रही छात्रा और किसी छोटे शहर में पारिवारिक काम-धंधा संभाल रहा लड़का, सभी जेन-जी के प्रतिनिधि हैं, लेकिन उनकी पसंद और प्राथमिकताएं भिन्नता लिए हो सकती हैं। इस पीढ़ी को किसी एक विचारधारा या किसी एक पार्टी के दायरे से बांधकर देखना उचित नहीं। इस पीढ़ी को आखिर जोड़ता क्या है? इसका जवाब है डिजिटल दुनिया से इसका गहरा जुड़ाव। यह भारत की पहली पीढ़ी है जो स्मार्टफोन और इंटरनेट मीडिया के साथ बड़ी हुई है, जहां खबर पलक झपकते फैल जाती है। इसी वजह से आज कोई भी छोटी नाराजगी देश भर के आक्रोश का कारण बन सकती है।

न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर के युवाओं में इस समय एक बैचैनी दिखाई पड़ती है। उन्हें अपना भविष्य अनिश्चित दिख रहा है। तेजी से बदलती तकनीक, आटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से नौकरियों पर मंडराता खतरा और सत्ता में बैठे लोगों के प्रति गहराता अविश्वास उन्हें परेशान कर रहा है। पिछले दो वर्षों में नेपाल, इंडोनेशिया, मेडागास्कर, मोरक्को और पेरू जैसे देशों में युवाओं के नेतृत्व वाले आंदोलनों ने सरकारों को हिला दिया या गिरा भी दिया। इन सभी आंदोलनों में यही एक समान पहलू था कि यह कोई विचारधारा की लड़ाई नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार, चंद लोगों की चांदी और नीतियों से स्वयं को बाहर रखे जाने के खिलाफ गुस्सा था। भारत का युवा भी अपने फोन की स्क्रीन पर यह सब देखता है। इसलिए यह असंतोष अब सीमाओं के आरपार महसूस होने लगा है। अपने देश में देखें तो यह बेचैनी पढ़ाई और नौकरी के बीच बढ़ती दूरी से भी पैदा होती है। एक पूरी पीढ़ी को पढ़ने, हुनर सीखने और मेहनत करने के लिए कहा गया, लेकिन जब परीक्षा में गड़बड़ी, भर्ती में देरी और अवसरों में अभाव की बात सामने आती है, तो यह इंसाफ न मिलने का गहरा दर्द बन जाती है। पढ़े-लिखे बेरोजगारों की बढ़ती संख्या यही बताती है कि डिग्रियां तो बढ़ी हैं, लेकिन उस हिसाब से प्रतिष्ठा वाली नौकरियां नहीं बढ़ीं।

अगर राजनीतिक दल इस मुश्किल को सिर्फ एक संवाद की समस्या मानकर हल करने की कोशिश करेंगे और सोचेंगे कि इंस्टाग्राम रील्स, यूट्यूब वीडियो, थोड़ी और ÷कूल÷ भाषा से बात बन जाएगी तो यह एक बड़ी गलती होगी। नए जमाने के मंचों को अपनाना जरूरी है, लेकिन सिर्फ इतना काफी नहीं। एक वायरल रील किसी युवा के सालों की मेहनत के बाद मिली निराशा को मिटा नहीं सकती। जब असल समस्या संस्थाओं की हो तब अच्छी पैकेजिंग नाराजगी को कुछ समय के लिए टाल तो सकती है, लेकिन हमेशा के लिए खत्म नहीं कर सकती। समाधान तीन पहलुओं में निहित है। भरोसा, आर्थिक अवसर और राजनीतिक भागीदारी। भरोसा तब बनता है जब तंत्र साफ-सुथरा हो, जब परीक्षा और भर्ती की प्रक्रिया निष्पक्ष हो और वादों की पूर्ति हो। आर्थिक अवसर तब बनते हैं जब पढ़ाई को नौकरी के अनुकूल बनाया जाए। जब कारखानों, सेवा क्षेत्र और नई तकनीक में अच्छी नौकरियां बनें और उद्यमिता सिर्फ एक नारा न रहकर वास्तविकता में रूपांतरित हो। राजनीतिक भागीदारी भी तभी मायने रखती है जब युवाओं को सिर्फ प्रचार में चेहरा दिखाने के लिए नहीं, बल्कि नीति बनाने, संगठन चलाने और फैसले लेने के मोर्चे पर समायोजित किया जाए। राज्य-व्यवस्था के संदर्भ में भारतीय परंपरा भी खासी समृद्ध रही है। आचार्य चाणक्य ने ÷राजर्षि÷ की बात कही थी। अर्थात एक ऐसा शासक जो सत्ता का उपयोग निजी लाभ के लिए नहीं, बल्कि जनता की भलाई के लिए करता है? जो खुद अनुशासन में रहता है और जिसकी असली ताकत जनता के भरोसे से आती है, न कि सिर्फ पद से।

राजर्षि की संकल्पना सत्ता को सेवा मानती है। इसमें जनता की नब्ज को समझा जाता है। दंभ से मुक्त होकर आलोचना को गले लगाना पड़ता है। इसमें तात्कालिक लोकप्रियता से अधिक विरासत के निर्माण को महत्व दिया जाता है। जेन-जी के परिप्रेक्ष्य में यह संकल्पना बहुत सार्थक लगती है। इस पीढ़ी को न लंबे भाषण चाहिए और न अनावश्यक प्रचार या मार्केटिंग। उसे ऐसा नेतृत्व चाहिए, जो सत्ता को अपना हक नहीं, अपितु दायित्व समझे। जो फैसला लेने से पहले सुनना जानता हो। जो व्यक्ति से अधिक संस्थाओं को वरीयता दे और जो युवाओं को हाशिए पर नहीं, बल्कि मुख्यधारा का हिस्सा बनाए। राजर्षि की यह संकल्पना हमें यही सिखाती है कि असली और टिकाऊ भरोसा प्रचार से नहीं, बल्कि विनम्रता और जिम्मेदार शासन से ही कमाया जाता है। भारत में जेन-जी की आकांक्षाएं किसी एक चुनाव या एक अभियान की बात नहीं हैं। यह भारत के लोकतंत्र के आने वाले कल की दिशा तय करने वाला सवाल है।

-धनंजय राजौरा

अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में ICF पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

केंद्रीय स्वास्थ्य आसूचना ब्यूरो और स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (भारत सरकार) के तत्वावधान में आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर, देवास में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्षमता, विकलांगता और स्वास्थ्य वर्गीकरण विषय पर 2 सितम्बर को एक-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यशाला केंद्रीय स्वास्थ्य आसूचना ब्यूरो (छ्क्राद्ध), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (भारत सरकार) के तत्वावधान में आयोजित की गई।

छ्क्राद्ध द्वारा अपने वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्वास्थ्य वर्गीकरणों पर राष्ट्रीय स्तर के क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी अनुपालन में अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज देवास में इस कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य चिकित्सा अधिकारियों एवं सम्बद्ध स्वास्थ्य कर्मियों के बीच इन अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरणों के ज्ञान एवं क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाना है।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. अतुल श्रीवास्तव, श्रीमती हर्षदा नन्दलाल, अंकुर वर्मा एवं श्री आकाश श्राफ ने उपस्थित संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को संबोधित किया।

सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने निम्नलिखित प्रमुख विषयों पर जिसमे मौलिक विचारों को साक्ष्य-आधारित शोध प्रोटोकॉल में परिवर्तित करने की विधि, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिसर्च ग्रांट्स और फंड प्राप्त करने के अवसर व प्रक्रिया आदि पर गहन विचार-विमर्श किया।

इस अवसर पर अमलतास विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर डॉ. सलिल भार्गव, कुलपति डॉ. आर.के. सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. अभय गुप्ता एवं अमलतास मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. ए.के. पीठवा, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. तनिष्क विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अमलतास समूह के चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया ने कार्यशाला के सफल आयोजन पर बधाई दी। प्रो-चांसलर डॉ. सलिल भार्गव एवं कुलपति डॉ. आर.के. सिंह ने कहा कि भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के सहयोग से आयोजित यह कार्यशाला चिकित्सकों एवं शोधकर्ताओं के ज्ञानवर्धन तथा संस्थान में शोध संस्कृति को बढ़ावा देने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

गौमाता के पूजन व संकल्प से शुरू हुई 375 किमी की पदयात्रा

गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने 375 किमी पैदल चलकर पहुंचेंगे सांवरिया सेठ के दरबार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम अकोदिया में गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर 375 किलोमीटर लंबी सांवरिया सेठ गौ माता पदयात्रा शुरू हुई। बुधवार को शाजापुर जिले के ग्राम मदाना स्थित माता ईलाई के दरबार से यात्रा की शुरुआत हुई। सुबह 11 बजे आरती और गौ माता की पूजा के बाद राष्ट्रीय संतों, दंडी स्वामी और जनप्रतिनिधियों ने यात्रा को रवाना किया।

इस दौरान बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए और डीजे पर धार्मिक धुनें बजती रहीं। यात्रा की शुरुआत में दंडी स्वामी विवेकानंद गिरी, राष्ट्रीय संत मुकेश आनंद भारती और कडालावड़ धाम के पुजारी पंडित सागर शास्त्री ने गौ माता की पूजा की। इसके बाद उन्होंने पदयात्रा को विदाई दी। संतों ने श्रद्धालुओं को गौ माता के महत्व के बारे में बताया और कहा कि सनातन धर्म में गौ माता का विशेष स्थान है। उन्होंने लोगों से गौ सेवा को जीवन का हिस्सा बनाने और गौ माता के संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया। यात्रा संयोजक अमरसिंह मेवाड़ा ने बताया कि पदयात्रा मदाना से राजस्थान के श्री सांवरिया सेठ मंदिर तक करीब 375 किलोमीटर की है। यात्रा पांच दिनों में पूरी की जाएगी। रास्ते में अलग-अलग स्थानों पर ग्रामीण और धर्मप्रेमी लोग गौ माता की पूजा कर श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगे।

जेसीबी से बरसाए फूल, भक्तिमय हुआ माहौल

यात्रा के दौरान जगह-जगह ग्रामीणों और धर्मप्रेमी लोगों ने फूल बरसाकर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। मदाना में भी जेसीबी से फूलों की बारिश की गई। गौ माता का श्रृंगार कर पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद यात्रा आगे रवाना हुई। धार्मिक जयघोष और डीजे की धुनों के बीच पूरा मार्ग भक्तिमय नजर आया। श्रद्धालु गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने के संकल्प के साथ पैदल चल रहे हैं। पदयात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हर्षवर्धन मंडलोई, सामाजिक कार्यकर्ता अचल मेवाड़ा, महाराणा प्रताप युवा संगठन के जिलाध्यक्ष प्रकाश मेवाड़ा सहित अन्य लोग शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि यात्रा शांतिपूर्ण और धार्मिक वातावरण में पूरी की जाएगी।

कलेक्टर ने किया रीडिंग कैंपेन 2026 का शुभारंभ

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साक्षरता सप्ताह के अवसर पर शाजापुर जिले में बच्चों में नियमित पठन की आदत विकसित करने, पढ़ने के प्रति रुचि बढ़ाने तथा उनकी समझ और अभिव्यक्ति क्षमता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रीडिंग कैंपेन 2026 का शुभारंभ कलेक्टर द्वारा रीडिंग वैन को हरी झंडी दिखाकर किया गया।

यह वेन 04 सितंबर तक शाजापुर जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं क्षेत्रों में पहुंचेगी। चार दिवसीय अभियान के दौरान बच्चों के साथ कहानी वाचन, पुस्तक पठन, कहानी पर चर्चा, संवाद एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इसके माध्यम से अधिक से अधिक बच्चों को पुस्तकों से जोड़ने और पठन को विद्यालय की नियमित गतिविधि का हिस्सा बनाने का प्रयास किया जाएगा।

मेरे शब्द, मेरी कहानी की थीम पर चलेगा अभियान- इस वर्ष अभियान की थीम मेरे शब्द, मेरी कहानी रखी गई है। अभियान का उद्देश्य बच्चों को पुस्तकों एवं कहानियों से जोड़ते हुए उनमें नियमित पठन की आदत विकसित करना, पढ़ी गई सामग्री को समझने एवं उस पर विचार करने की क्षमता बढ़ाना तथा अपने विचारों और अनुभवों को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने के अवसर प्रदान करना है। इसके साथ ही विद्यालयों में रीडिंग कॉर्नर के प्रभावी उपयोग और आनंददायी पठन संस्कृति को बढ़ावा देना भी अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इस अभियान का शुभारंभ करते हुए कलेक्टर ने सांदीपनि स्कूल में रीडिंग वैन के माध्यम से बच्चों के साथ विशेष पठन गतिविधियों का आयोजन किया गया। यहां कलेक्टर ने स्वयं बच्चों के साथ नाव में गांव और आओ उड़ चले कहानी का वाचन किया। मिशन अंकुर जिला प्रभारी रवि विश्वकर्मा ने बच्चों को लाइब्रेरी बस का टूर करवाते हुए विभिन्नी कहानी की किताबों का एक्सपोज़र दिया।

एसडीएम ने छात्रावासों का किया औचक निरीक्षण

बच्चों से किया सीधा संवाद, अधिकारियों को किया निर्देशित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देश पर एसडीएम मनीषा वास्कले एवं जनजातीय कार्य विभाग तथा अनुसूचित जाति विकास जिला संयोजक रमेश चौहान द्वारा शासकीय अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन छात्रावास शाजापुर एवं शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर छात्रावास क्रमांक-02 का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जहां उन्होंने बच्चों से सीधा संवाद किया। साथ ही अधिकारियों को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए।

एसडीएम द्वारा निरीक्षण के दौरान महाविद्यालयीन छात्रावास में निवासरत विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की गई। विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधीक्षक को निर्धारित मीनू अनुसार गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने, छात्रावास में साफ-सफाई एवं स्वच्छता की समुचित व्यवस्था बनाए रखने तथा विद्यार्थियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के विस्तृत निर्देश दिए गए। साथ विद्यार्थियों को अनुशासित रहकर अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया। साथ ही उन्होंने अधीक्षक एवं छात्रावास के कर्मचारियों को विद्यार्थियों के साथ मधुर, सम्मानजनक एवं सहयोगात्मक संवाद बनाए रखते हुए अपने-अपने कर्तव्यों का निर्वहन नियमानुसार एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ करने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों की समस्याओं एवं शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देशित किया गया। एसडीएम ने शासकीय अनुसूचित जाति बालक सीनियर छात्रावास क्रमांक-02 एवं शासकीय अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन छात्रावास में भी निरीक्षण के दौरान भोजन व्यवस्था का अवलोकन किया और यहां भी उन्होंने भोजन व्यवस्था का अवलोकन करते हुए निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन की गुणवत्ता, मात्रा एवं समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संबंधित अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित, अनुशासित एवं अध्ययन के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों एवं निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए।

किताबें नहीं तो क्या अब हथियार उठाएं छात्र? एनएसयूआई का लाइब्रेरी में अनोखा प्रतीकात्मक प्रदर्शन

महीनों बाद भी नहीं मिली किताबें और सिलेबस, छात्रों ने प्राचार्य कक्ष के बाहर दिया धरना

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में शैक्षणिक सत्र शुरू हुए तीन से चार माह बीत जाने के बावजूद छात्रों को पाठ्यक्रम और आवश्यक पुस्तकों की जानकारी एवं उपलब्धता नहीं होने का आरोप लगाते हुए एनएसयूआई ने बुधवार को कॉलेज प्रशासन के खिलाफ अनोखा प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष श्रीकांत चौहान के नेतृत्व में छात्र कागज की नकली बंदूकें लेकर कॉलेज की लाइब्रेरी पहुंचे और प्रशासन की व्यवस्थाओं के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से सवाल उठाया कि जब शिक्षा के मंदिर में छात्रों के लिए कलम और किताबों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है तो आखिर छात्र क्या करें। संगठन का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन की लापरवाही के कारण आज तक विद्यार्थियों को स्पष्ट रूप से यह जानकारी नहीं मिल पाई है कि उन्हें कौन-सा पाठ्यक्रम पढ़ना है। वहीं लाइब्रेरी में भी आवश्यक विषयों की पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान लाइब्रेरी प्रभारी डॉ. जैन से छात्रों ने अपनी समस्याओं को लेकर चर्चा की, लेकिन उनके जवाबों से असंतुष्ट छात्र प्राचार्य कक्ष के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन में विशेष रूप से शामिल एनएसयूआई के पूर्व छात्र नेता जितेंद्र सिंह गौड़ ने कॉलेज प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कॉलेज प्रशासन की तानाशाही और घोर लापरवाही अब बर्दाश्त से बाहर हो चुकी है। महीनों बीत जाने के बाद भी छात्रों को किताबें और सिलेबस उपलब्ध नहीं कराना उनके पूरे शैक्षणिक वर्ष और भविष्य को अंधकार में धकेलने जैसा है। एनएसयूआई छात्रों के अधिकारों की इस लड़ाई को मुकाम तक पहुंचाकर ही दम लेगी। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष श्रीकांत चौहान ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हर वर्ष निजी प्रकाशकों और निजी लाइब्रेरियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सिलेबस में बदलाव किया जाता है। इसके बाद जब छात्र कॉलेज पहुंचते हैं तो उन्हें न तो स्पष्ट पाठ्यक्रम मिलता है और न ही आवश्यक पुस्तकें उपलब्ध कराई जाती हैं। एनएसयूआई ने कॉलेज प्रशासन के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखीं। इनमें छात्रों को तत्काल पूर्ण कोर्स एवं सिलेबस की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराना, लाइब्रेरी में सभी विषयों की पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध कराना तथा छात्रों के शैक्षणिक सत्र और भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ पर तत्काल रोक लगाना शामिल है। संगठन ने कॉलेज प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि मांगों को शीघ्र पूरा नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी कॉलेज प्रशासन की होगी। प्रदर्शन में एनएसयूआई जिला अध्यक्ष श्रीकांत चौहान, पूर्व छात्र नेता जितेंद्र सिंह गौड़, पूर्व एनएसयूआई जिला अध्यक्ष हर्ष प्रताप सिंह, राजा धाकड़, धर्मेंद्र सिंह चौहान, सोहन मंडलोई, यशवंत कुशवाहा, मनजीत ठाकुर, विशाल बामनिया, जयदीप रायपुरिया, राहुल ठाकुर, आशीष धाकड़, प्रिंस घर प्रतापी, संजय बोडाना, आशीष अमरावती, उज्जवल कुंभकार, अजय मालवीय, चेतन धाकड़, दीपक धाकड़, अजय बामनिया सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई पदाधिकारी एवं छात्र नेता उपस्थित थे।

दीपक निगम बने दशहरा उत्सव समिति संयोजक, सचिव बने देवतवाल

श्रीकृष्ण व्यायामशाला में आयोजित सर्व हिंदू उत्सव समिति की बैठक में सर्व सम्मति से तय किया नाम

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के सार्वजनिक दशहरा कार्यक्रम के लिए नए संयोजक का बुधवार को चयन किया गया। इसके लिए श्री कृष्ण व्यायामशाला द्वारा संचालित सर्व हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर ने बैठक का आयोजन किया। बैठक में इस वर्ष के दशहरा उत्सव समिति के नए अध्यक्ष के लिए उपस्थितजनों से चर्चा की गई। बैठक में सर्व सम्मति से संयोजक दीपक निगम, सह संयोजक चेतन कुशवाह, सचिव गोविंद देवतवाल, कोषाध्यक्ष दिलीप सिन्दल, उपाध्यक्ष बंटी गवली को मनोनीत किया गया। बैठक के पूर्व सर्व हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पं. आशीष नागर ने नए संयोजक और दशहरा उत्सव समिति के पदाधिकारियों के नाम का प्रस्ताव रखा जिस पर श्री कृष्ण व्यायामशाला में आयोजित बैठक में सर्व हिंदू उत्सव समिति, श्री कृष्ण व्यायामशाला के ट्रस्टीगण, संरक्षकगण व वरिष्ठ समाजजनों ने एकमत होकर सभी नामों पर अपनी सहमति दी। इस अवसर पर सर्व हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष ने दशहरा उत्सव कार्यक्रम को भव्य तरीके से मनाने के लिए सभी समाजजनों से अपील की। बैठक में श्री कृष्ण व्यायामशाला अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास, तुलसीराम भावसार, रामकिशन यादव, नरेश कप्तान, सत्या वात्रे, दीपक चौहान, गोविंद नायक, आशुतोष शर्मा, गजेंद्रसिंह सिकरवार, राजेश पारछे, विकास सिंदल, किशोरसिंह दरबार, पं. गोविंद शर्मा, किरण ठाकुर, धनराज गवली, प्रेम यादव, राहुल परमार, विक्रम कुशवाह, अनिल मालवीय, मनीष सोनी, गोविंद शर्मा, अजय चंदेल, रोहित विश्वकर्मा, जितेंद्र बंटी भावसार, संजय राठौर, गोविंद कसेरा, अर्जुन चौधरी, सुनील देवतवाल, सुनील वर्मा, विष्णु गवली, जितेंद्र माली, मयंक जैन, महेश (मोनू) गवली, बालकृष्ण यादव, पवन नरवले, गणेश गवली सहित सर्व हिंदू समाज के समस्त पदाधिकारी एवं श्री कृष्ण व्यायामशाला से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सर्व हिंदू उत्सव समिति के महासचिव मनीष सोनी ने किया। यह जानकारी सर्व हिन्दू उत्सव समिति मीडिया प्रभारी सुमित भावसार ने दी।

विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा, आय-व्यय का भी दिया ब्यौरा- बैठक में दशहरा उत्सव समिति के मनोनयन के पूर्व नगर में संचालित होने वाले आगामी त्यौहार श्री गणेश उत्सव, डोल ग्यारस को लेकर चर्चा की गई। जिसमें सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए सुझाव दिए। किसी ने महिलाओं और युवतियों की बैठक व्यवस्था को लेकर अपनी बात रखी तो किसी ने अखाड़ों के समय को लेकर अपनी बात कही। सभी विषयों पर सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर सहित सभी पदाधिकारियों ने ध्यानपूर्वक सुनते हुए सुझावों पर अमल करने की बात कही। साथ ही दशहरा उत्सव व होली उत्सव का समिति द्वारा आय-व्यय भी प्रस्तुत किया गया।

जन्माष्टमी पर होंगे तीन दिवसीय विशेष आयोजन, आज से अनुष्ठान प्रारंभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गवली यादव समाज द्वारा पहली बार जन्माष्टमी के पावन अवसर पर तीन दिवसीय भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसमें लडडू गोपाल अनुष्ठान, शोभायात्रा एवं विशाल भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। गवली यादव समाज द्वारा देवास के गवली मोहल्ले में यह भव्य आयोजन किया जा रहा है। 3 सितम्बर से 5 सितम्बर तक सभी आयोजन राधाकृष्ण मंदिर गवली मोहल्ले में आयोजित होंगे। वार्ड के पार्षद रामदयाल यादव एवं पूर्व पार्षद अर्जुन यादव ने बताया कि 3 सितम्बर बुधवार से लड्डू गोपाल अनुष्ठान होगा जिसमें 1.25 लाख मंत्रों का उच्चारण होगा जो सुबह से शाम तक आयोजित होगा। 4 सितम्बर गुरूवार को समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान किया जाएगा, सुबह 10 बजे से शोभायात्रा निकलेगी जिसमें माता-बहनें लड्डू गोपाल को नगर भ्रमण करवाएंगी। शहर के प्रमुख मार्गों से यह शोभायात्रा निकाली जावेगी जिसमें समाज के युवा एवं वरिष्ठजन शामिल होंगे। दोपहर में पूर्णआहूति के बाद शाम को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। वहीं 5 सितम्बर शुक्रवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। अनुष्ठान पंडित निशामणी शर्मा द्वारा करवाए जाएंगे। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष नत्थुलाल यादव, महेश यादव, ओमप्रकाश यादव, दिलीप यादव, अनिल यादव, प्रकाश यादव, अजय यादव, संतोष यादव ने सभी से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

स्मार्ट मीटरों में मिली गड़बड़ी, बिजली चोरी करते पकड़े गए 11 उपभोक्ता

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बिजली चोरी की आशंका को लेकर बुधवार को नगर में इंदौर की विशेष टीम पहुंची जिन्होंने स्मार्ट मीटरों में गड़बड़ी की आंशका के चलते जांच अभियान चलाया। अधिकारियों का यह शक सही साबित हुआ और जांच में टीम को 11 मीटरों में गड़बड़ी मिली। जिनके खिलाफ पंचनामा बनाने के साथ ही अब संबंधितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी तैयारी की जा रही है।

जांच में बिजली चोरी के कई तरीके सामने आए। कुछ जगहों पर उपभोक्ता सीधे तार डालकर बिजली का इस्तेमाल कर रहे थे। वहीं कुछ मामलों में स्मार्ट मीटर से छेड़छाड़ कर उसकी रीडिंग बदलने की कोशिश की गई थी। टीम ने मौके पर ही इन मामलों को पकड़ा और संबंधित उपभोक्ताओं के खिलाफ पंचनामा बनाया। बिजली चोरी के मामले सामने आने के बाद विभागीय टीम ने मौके पर ही पंचनामा तैयार किया। संबंधित उपभोक्ताओं पर नियमों के हिसाब से जुर्माना लगाने के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। इस अभियान से बिजली चोरी करने वाले उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया।

बिजली विभाग के सहायक यंत्री रामेश्वर प्रताप अहिरवार ने बताया कि इंदौर बिजली विभाग हर महीने ऐसे स्मार्ट मीटरों की पहचान करता है, जिनकी रीडिंग या बिजली खपत में गड़बड़ी की आशंका होती है। इसके बाद एक विशेष टीम उन इलाकों में पहुंचकर मीटरों की जांच करती है। इसी कड़ी में इंदौर से टीम शाजापुर पहुंची थी।

आवारा कुत्तों ने फिर मचाया आतंक

एक घंटे में एक दर्जन से अधिक लोगों को बनाया शिकार, दहशत में नगरवासी

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आवारा कुत्तों ने एक बार फिर शहरवासियों को दहशत में डाल दिया है। जिनके हमले से एक घंटे में ही एक दर्जन से अधिक लोग घायल होकर जिला अस्पताल पहुंचे हैं। अब नगरवासी नगर पालिका की ओर आस लगाए बैठे हैं कि नपा द्वारा इन्हें पकड़कर शहर से बाहर करें और उन्हें राहत दिलाएं।

बुधवार सुबह कई लोग एक साथ कुत्तों के काटने से घायल होकर जिला अस्पताल पहुंचे। कोई मगरिया चौराहे से, कोई राजराजेश्वरी माता मंदिर से तो किसी को कुत्तों ने ट्राफिक प्वाईट पर काटा। घायल लोगों ने बताया कि उन पर इन कुत्तों ने अचानक हमला कर दिया। जबकि उन्होंने तो इन्हें छेड़ा भी नहीं था। जिससे लोग अब डरने लगे हैं और नगर पालिका से मांग की है कि वे इन कुत्तों को शहर से बाहर करें। आदित्य नगर के रहने वाले सोनू जैन ने बताया कि वे सुबह काम से ट्रैफिक पाइंट जा रहे थे। तभी एक आवारा कुत्ता अचानक दौड़कर आया और उनके पैर पर काट लिया। बचने की कोशिश के बावजूद कुत्ते ने दोबारा हमला कर उन्हें घायल कर दिया। ऐसी ही कहानी जिला अस्पताल पहुंचे रफीक मोहम्मद, रवि शिवनारायण, गोपाल, बाबूलाल, कैलाश, बद्रीलाल, लखन, मांगीलाल, सोनू सुगंध, रीना ने भी बताई कि उन पर भी कुत्तों ने अचानक हमला कर दिया। जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहर में घूम रहे इन आवारा कुत्तों झुंड आक्रामक होता जा रहा है जो लोगों के लिए खतरनाक साबित हो रहे हैं। जिला अस्पताल के डॉक्टर क्षितिज मुरारी ने बताया कि बुधवार को कुत्ते के काटने के 12 से ज्यादा मामले अस्पताल पहुंचे। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया है। फिलहाल किसी की हालत गंभीर नहीं है।

दहशत में लोग, अधिकारियों से आस - नगर में अलग-अलग क्षेत्रों में कुत्तों के काटने की घटना ने नगरवासियों की चिंता बढ़ा दी है। क्योंकि नगर में दिनभर और रात को भी कुत्ते झुंड बनाकर घूमते रहते हैं। सबसे ज्यादा चिंता लोगों को छोटे बच्चों की है। जिसके चलते लोग अब दहशत में है और अधिकारियों से आस लगाए बैठे हैं कि उनकी इस समस्या का समाधान किया जाए और इन कुत्तों से राहत दिलाई जाए।

इनका कहना है- डाग बाईट की बढ़ती घटनाओं की जानकारी मिली है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है। जल्द ही इस समस्या का स्थाई समाधान किया जाएगा।

- प्रेम जैन, अध्यक्ष-नपा-शाजापुर

अमृत नगर खाटू श्याम धाम में 4 सितंबर को धूमधाम से मनेगा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमृत नगर स्थित श्री खाटू श्याम धाम मंदिर में आगामी 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर परिसर में आकर्षक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति के अनुसार शाम 7 बजे पवित्र ज्योत प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके पश्चात बाबा श्याम को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा तथा प्रभु का मनमोहक एवं अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। शाम 7.30 बजे श्याम प्रभु की भव्य महाआरती संपन्न होगी। रात्रि 8 बजे से आयोजित भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक हिमांशु विजयवर्गीय एवं हरिओम उपाध्याय श्याम भजनों की मधुर प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर करेंगे। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर रात्रि ठीक 12 बजे नंद बाबा एवं माता यशोदा जी के साथ बाल स्वरूप कान्हा जी मंदिर में पधारेंगे। इस दौरान श्याम भक्तों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण का भव्य एवं उत्साहपूर्ण स्वागत किया जाएगा और जयकारों के बीच श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर समिति ने शहर एवं आसपास क्षेत्र के सभी श्याम प्रेमियों और श्रद्धालुओं से सपरिवार उपस्थित होकर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के इस भव्य आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

रेलवे स्टेशन तक यात्रियों की राह हो सुगम, वैकल्पिक मार्ग पर विचार का सुझाव

जुलूस एवं चल समारोह के दौरान यात्री सुविधा को लेकर यात्री विकास एवं सुझाव मंच के मारू ने रखा सकारात्मक सुझाव

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यात्री विकास एवं सुझाव मंच ने रेलवे यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहर में निकलने वाले जुलूस एवं चल समारोह के दौरान रेलवे स्टेशन तक आवागमन सुगम बनाए रखने के लिए वैकल्पिक मार्ग चिन्हित करने अथवा विकसित करने पर विचार करने का सुझाव दिया है। मंच का कहना है कि धार्मिक, सामाजिक एवं अन्य आयोजन शहर की जीवंतता और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं, वहीं इन आयोजनों के दौरान यात्रियों की सुविधा का भी ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

नागदा रेलवे स्टेशन तक पहुंचने के लिए जवाहर मार्ग एवं एम.जी. रोड प्रमुख मार्ग हैं। जब इन मार्गों से जुलूस अथवा चल समारोह गुजरता है, तो कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित होता है। ऐसे समय ट्रेन पकड़ने वाले यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लग सकता है। इसे देखते हुए स्टेशन तक पहुंचने के लिए किसी वैकल्पिक मार्ग की संभावनाओं का अध्ययन किया जाना उपयोगी हो सकता है।

मंच ने सुझाव दिया कि शासन-प्रशासन, नगर पालिका एवं रेलवे विभाग आपसी समन्वय से उपलब्ध मार्गों और संभावनाओं का व्यवहारिक अध्ययन करें। आवश्यकता के समय ऐसे मार्ग को रेलवे यात्रियों के लिए उपयोग में लाया जा सके तो आयोजन भी व्यवस्थित रूप से संपन्न होंगे और यात्रियों का आवागमन भी सुचारु बना रहेगा।

मंच के परामर्शदाता पंकज मारू ने प्रशासन से अनुरोध किया कि जब भी किसी जुलूस अथवा चल समारोह की अनुमति दी जाए, तो उसके पूर्व आयोजकों के माध्यम से मार्ग परिवर्तन की जानकारी वाला फ्लेक्स तैयार करवाकर बेरिकेट्स के साथ प्रमुख स्थानों पर लगाया जाए। इससे आमजन एवं रेलवे यात्रियों को परिवर्तित मार्ग की जानकारी पहले से मिल सकेगी और वे बिना समय गंवाए वैकल्पिक मार्ग से रेलवे स्टेशन तक पहुंच सकेंगे। इससे आयोजन के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने में भी सहयोग मिलेगा।

मंच का कहना है कि यह किसी व्यवस्था पर सवाल उठाने का विषय नहीं, बल्कि यात्री सुविधा को और बेहतर बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। नागदा एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन होने के कारण यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है। ऐसे में स्टेशन तक पहुंचने के लिए एक अतिरिक्त विकल्प भविष्य में शहर के लिए उपयोगी साबित हो सकता है।

यात्री विकास एवं सुझाव मंच के संस्थापक अध्यक्ष एवं संचालक राजेश सकलेचा, अध्यक्ष नितिन जैन, सचिव रवि चौहान, परामर्शदाता कैलाश सनोलिया एवं पंकज मारू, संयोजक चेतन यादव एवं सुनील त्रिवेदी, भवानीसिंह देवड़ा, उपाध्यक्ष सुमेरसिंह सिसोदिया, राजा कर्नावट एवं शंकर प्रजापत, कोषाध्यक्ष दीपक जैन ने कहा कि मंच का उद्देश्य यात्री सुविधाओं से जुड़े विषयों को सकारात्मक रूप से सामने लाना और बेहतर समाधान के लिए संबंधित विभागों का ध्यान आकर्षित करना है। धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन शहर की महत्वपूर्ण गतिविधियों का हिस्सा हैं और इनके साथ यात्रियों की सुविधा का संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है। उपरोक्त जानकारी मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन ने दी।

रोगमुक्तेश्वर महादेव जीर्णोद्धार समिति ने किया विधायक जितेंद्र पंड्या का सम्मान

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सिविल हॉस्पिटल परिसर स्थित श्री रोगमुक्तेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण मास की पूर्णाहुति के पावन अवसर पर भव्य महाआरती एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिर जीर्णोद्धार समिति द्वारा विशेष सहयोग के लिए विधायक जितेंद्र उदय सिंह पंड्या का भावभीना सम्मान किया गया।

समिति के डॉ. देवेंद्र स्वामी, डॉ. सुयश श्रीवास्तव, हर्षवर्धन परमार, डॉ. बबीता माथुर, डॉ. मोनिका कोठारी एवं डॉ. गुलाम नबी कुरैशी ने विधायक श्री पंड्या को पुष्पमाला, साफा, दुपट्टा पहनाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनका नागरिक अभिनंदन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक श्री पंड्या ने रोगमुक्तेश्वर महादेव से क्षेत्र की समस्त जनता के सुख, समृद्धि और आरोग्य की कामना की। इस दौरान विधायक द्वारा मंदिर निर्माण करने वाले कुशल कारीगर भीम सिंह (भेसला वाले) को पुष्पमाला, दुपट्टा और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, सेवानिवृत्त हो रहे वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. देवेंद्र स्वामी का भी विधायक श्री पंड्या ने साफा बांधकर सम्मान किया।

इस अवसर पर हुकुमचंद गहलोत, रूपेश कच्छावा, विशाल ठाकुर, हर्ष वाघेला, कपिल चंदेल, श्रीमती रानी गहलोत, श्रीमती सोनू सोलंकी, श्रीमती मधु सेन, मनोहर सोलंकी सहित अस्पताल का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन कन्हैयालाल बर्फा ने किया एवं आभार प्रदर्शन दिनेश कुमार पंचोली द्वारा किया गया।

अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बदनावर जिला धार म.प्र. के सदस्य श्री जी.सी. मिश्रा द्वारा मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में 1,21,56,000 का अवार्ड पारित किया गया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनांक 19.01.2025 को रात्रि लगभग 08ः00 बजे जितेन्द्र पैदल पैदल मुलथान चौपाटी तरफ जा रहा था, जैसे ही वह महू-नीमच रोड पर बालाजी पेट्रोल पम्प के सामने पहुंचा तभी बदनावर तरफ से आ रही कार क. एम.पी.09सी.पी.4965 का चालक मुजिब खान पिता निराले खान, आयु लगभग 30 वर्ष, निवासी ग्राम केसुर, तहसील एवं जिला धार. म.प्र. अपनी कार को तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक चलाकर लाया और जितेन्द्र को पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर लगने से जितेन्द्र के सिर एवं शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई, जिसके परिणामस्वरूप उसकी मृत्यु हो गई। उक्त घटना की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस थाना बदनावर द्वारा अपराध क. 0045/2025 अंतर्गत धारा 106 बी.एन.एस. पंजीबद्ध कर प्रथम सूचना रिपोर्ट लेख किया गया और विवेचना उपरान्त अभियोग पत्र दुर्घटना कारित करने वाले वाहन के चालक के विरूद्ध प्रस्तुत किया गया। घटना के समय मृतक जितेन्द्र इंडियन आर्मी में सिपाही के पद पर जम्मू कश्मीर के बाडी बर्मना में कार्यरत था जिससे उसे ?81,000 मासिक की आय प्राप्त होती थी जिससे वह अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण करता था, जितेन्द्र की मृत्यु के समय उसकी उम्र 32 वर्ष थी. जिससे उनकी शेष सर्विस में उनके प्रमोशन होने एवं वेतन वृद्धि की पूर्ण संभावनाएं थी, किन्तु उक्त दुर्घटना में जितेन्द्र की असमय मृत्यु हो जाने के कारण उसका परिवार उसके आश्रय एवं प्रेम से वंचित हो गया।

मृतक के परिजन द्वारा अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बदनावर के समक्ष दुर्घटना दावा प्रकरण दुर्घटना कारित करने वाले वाहन के चालक मुजिब खान, वाहन मालिक मुबारिक एवं वाहन की बीमा कंपनी नेशनल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड, कार्यालय 8 श्वेत भवन दशहरा मैदान उज्जैन के विरूद्ध मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण प्रस्तुत किया गया। उक्त मामले की सुनवाई अधिकरण के सदस्य श्री जी. सी. मिश्रा द्वारा की गई और सुनवाई उपरांत दिनांक 01 सितम्बर 2026 को अवार्ड पारित करते हुए अधिकरण द्वारा मृतक के परिजन आवेदकगण के पक्ष में दुर्घटना कारित करने वाली कार के चालक, स्वामी एवं बीमा कंपनी के विरूद्ध ?1,21,56,000 (एक करोड़ इक्कीस लाख छप्पन हजार रूपये) का अवार्ड पारित किया गया।

आगर जिले में शराब ठेकेदारों द्वारा अधिक दाम वसूले जा रहे हैं - विरोध करने पर सीएम के बड़े भाई नारायण दादा का नाम लेकर डराते हैं सेल्समैन

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में शराब ठेकेदारों की मनमानी लगातार बढ़ती जा रही है। जिले की लगभग सभी लायसेंसी शराब दुकानों पर एमआरपी से 20 से 100 रुपये तक अधिक दाम वसूले जा रहे हैं। ग्राहकों से खुलेआम लूट की जा रही है और आबकारी विभाग पूरी तरह मौन बैठा है।

लायसेंसी दुकान पर भी ओवररेट, रेट लिस्ट गायब - जिले के आगर, नलखेड़ा, सुसनेर, बड़ौद, कानड़ क्षेत्र की दुकानों का यही हाल है। कहीं भी रेट लिस्ट चस्पा नहीं है। 180 एमएल की बोतल पर 20-30 रुपये और 750 एमएल पर 50 से 100 रुपये तक अधिक वसूले जा रहे हैं। बिल मांगने पर बिल देने से साफ मना कर दिया जाता है। सारा हिसाब-किताब ठेकेदारों द्वारा दी गई निजी डायरी में लिखा जाता है, जिसे ही डायरी सिस्टम कहा जा रहा है।

विरोध करो तो मिलती है धमकी- ग्राहकों ने बताया कि जब वे अधिक दाम का विरोध करते हैं तो सेल्समैन का जवाब होता है कि कम्पनी के दाम अधिक है, उसी हिसाब से दाम देने होंगे, लेना है तो लो वरना जाओ।

और जब ग्राहक बार-बार सवाल पूछते हैं तो उन्हें डराने के लिए सबसे बड़ा हथियार निकाला जाता है। सेल्समैन सीधे बोलते हैं कि ज्यादा नेता मत बनो, आगर की सभी शराब दुकानें सीएम के बड़े भाई नारायण दादा की हैं। उन्हीं के कहने पर अधिक दाम वसूले जा रहे हैं। शिकायत करनी है तो कर लो।

सीएम के भाई की छवि धूमिल करने की साजिश - इस तरह जिले के शराब दुकानदार और ठेकेदार अपनी अवैध वसूली को जायज ठहराने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री के बड़े भाई नारायण दादा का नाम बदनाम कर रहे हैं। जबकि हकीकत यह है कि इस पूरे खेल से उनका कोई लेना-देना नहीं है। अपने काले कारनामे छिपाने के लिए ठेकेदार एक सम्मानित नाम का सहारा लेकर प्रशासन पर भी दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

गांव-गांव और ढाबों पर देर रात तक अवैध बिक्री - सूत्रों का कहना है कि डायरी सिस्टम के कारण ही गांव-गांव में अवैध शराब की सप्लाई और ढाबों पर देर रात तक ओवररेट में शराब बेची जा रही है। दिन की बिक्री का असली पैसा डायरी में जाता है और सरकारी रजिस्टर में कम बिक्री दिखाई जाती है।

सेंट जोसफ कॉन्वेंट पिटगारा में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

विद्यार्थियों को कानून, अधिकारों एवं सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील विधिक सेवा समिति बदनावर के तत्वावधान में बुधवार को सेंट जोसेफ कॉन्वेंट पिटगारा में विधिक साक्षरता शिविर एवम जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश श्रीमान जी सी मिश्रा, विशेष अतिथि पीएलवी एवम मानव अधिकार एक्टिविस्ट जयेश राजपुरोहित एवम संस्था प्राचार्या मंचासीन थे

जिला न्यायाधीश ने विद्यार्थियों को मोटर यान दुर्घटना दावा अधिनियम के प्रावधान , यातायात के नियम , बच्चों के साथ होने वाले अपराध , बच्चों द्वारा किये जाने अपराध , किशोर न्याय अधिनियम , लैंगिक अपराधों से बालको का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के अंतर्गत आने वाले लैंगिक अपराध व उनके लिए सजा का प्रावधान आदि के बारे में विस्तार से बताया साथ ही व्यक्ति के जीवन मे जन्म से पहले व मृत्यु के बाद तक कानून के दखल के बारे में बताया

जयेश राजपुरोहित ने विद्यार्थियों को मोबाइल एवं इंटरनेट के दुष्परिणामों के प्रति विद्यार्थियों को सचेत करते हुए जिम्मेदारी से मोबाइल का उपयोग करने की सलाह दी। साथ ही सायबर लॉ व साइबर अपराध के बारे में जागरूक किया उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की परेशानी या अनुचित व्यवहार की स्थिति में बच्चों को चुप नहीं रहना चाहिए, बल्कि अभिभावक, शिक्षक अथवा संबंधित अधिकारी को इसकी जानकारी देना चाहिए। उन्होंने मानसिक दबाव एवं परेशानियों के समय परिवार और विश्वसनीय लोगों से संवाद करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

एवम कहा कि कानून प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षा एवं न्याय प्रदान करने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से कानून के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया व साइबर सुरक्षा एवम नशे से दूर रहने के बारे में बताया

इस दौरान विद्यार्थियों ने उत्सुकता से अतिथियों की बातों को सुना तथा विभिन्न विषयों पर संवाद किया। शिविर में नायाब नाज़िर शांतिलाल कलमे न्यायालय कर्मचारी , पीएलवी अनूप मिश्रा , रितेंद्र सिंह सोलंकी उपस्थित थे कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने विधिक जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं तथा कानून के प्रति सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लिया।

8.76 लाख रुपए की लागत से बनेगी सीसी रोड, हम्मान मंदिर चौक से होगा निर्माण कार्य शुरू

मुख्यमंत्री अधोसंरचना के चतुर्थ चरण के तहत नगर परिषद देपालपुर की बड़ी सौगात, अध्यक्ष प्रतिनिधि महेश पुरी गोस्वामी ने किया भूमिपूजन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद देपालपुर द्वारा नगर के वार्ड क्रमांक 10 में सड़क निर्माण को लेकर एक महत्वपूर्ण विकास कार्य की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री अधोसंरचना के चतुर्थ चरण के अंतर्गत हनुमान मंदिर चौक पर सीसी रोड निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। इस सड़क निर्माण कार्य पर लगभग 8.76 लाख रुपए की राशि खर्च की जाएगी।

नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि महेश पुरी गोस्वामी द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि एवं नगर परिषद के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद सतीश मारु , पार्षद जितेंद्र ठाकुर, नगर परिषद के सहायक यंत्री नीरज गुप्ता, उमेश परमार सहित वार्ड के नागरिक उपस्थित थे।

बताया गया कि वार्ड क्रमांक 10 में लंबे समय से बेहतर सड़क सुविधा की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के रहवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और स्थानीय क्षेत्र की यातायात व्यवस्था भी बेहतर होगी। सीसी रोड बनने से बरसात के दिनों में होने वाली परेशानी से भी लोगों को काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है।

नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि महेश पुरी गोस्वामी ने इस अवसर पर कहा कि नगर के सभी वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। नगर परिषद का प्रयास है कि सड़क, नाली, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अधोसंरचना के चतुर्थ चरण के अंतर्गत मिलने वाली राशि से नगर के विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिल रही है। वार्ड क्रमांक 10 में सीसी रोड निर्माण भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भूमिपूजन के दौरान उपस्थित वार्डवासियों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क बनने से क्षेत्र की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा और आने-जाने वाले लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जन अभियान परिषद ने किया पौधरोपण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड झाबुआ द्वारा रौनक एक्सीलेंसी इंग्लिश मीडियम स्कूल, करड़ावद छोटी में प्रस्फुटन समिति के सहयोग से ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रस्फुटन एवं नवांकुर समितियों के सदस्यों, विद्यार्थियों, विद्यालय स्टाफ एवं ग्रामीणजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधरोपण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक श्री प्रेमसिंह चौहान ने कहा कि शासन द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान संचालित किया जा रहा है। पर्यावरण को सुरक्षित एवं हरा-भरा बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। पौधा लगाने के साथ उसकी नियमित देखभाल एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाना भी आवश्यक है।

श्री चौहान ने बताया कि अभियान के तहत किए गए पौधरोपण की गतिविधियों को माय भारत ऐप के माध्यम से अपलोड किया जा सकता है। पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ÷पौधे हैं तो मनुष्य का जीवन है।÷ वृक्ष हमें ऑक्सीजन, फल एवं लकड़ी प्रदान करने के साथ ही मिट्टी के कटाव को रोकने और जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आमजन से अपने पूर्वजों की जन्म-जयंती एवं पुण्यतिथि के साथ जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ एवं अन्य विशेष अवसरों पर पौधरोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के बाद पौधों को संरक्षित करने का संकल्प भी लिया जाए, जिससे आने वाली पीढ़ियों को हरित, स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

सत्यनारायण मंदिर में आज से गूंजेगी श्रीमद्भागवत कथा की अमृतवाणी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री सत्यनारायण मंदिर, मालीपुरा मंदिर चौक बदनावर में गुरुवार से श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ होगा। कथा का वाचन प्रसिद्ध भागवत आचार्य पंडित रमेशचंद्र जी अग्निहोत्री के मुखारविंद से किया जाएगा। आयोजक माली समाज बदनावर है। कथा प्रतिदिन दोपहर 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगी। इस दौरान श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से धर्म, भक्ति, संस्कार और जीवन के आध्यात्मिक मूल्यों का संदेश दिया जाएगा। कथा आयोजन को लेकर माली समाज बदनावर में विशेष उत्साह है। समाज अध्यक्ष शिवनारायण माली टेंकर वाले ने नगरवासियों एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कथा स्थल पर पहुंचकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करने का आह्वान किया है।

नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की जयकारे के साथ में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया

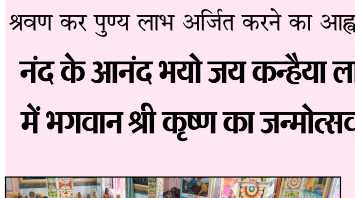

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव से पहले कार्तिक चौक मनकामनेश्वर मंदिर से ढोल धमाके के साथ में मंदिर आये महिला व पुरुष ने भजनों पर खूब नृत्य कर उत्सव मनाया भागवत आचार्य भरत शर्मा ने भगवान की बाल लीला सुनाई पंच धाकड़ समाज द्वारा ज्यादा से ज्यादा धर्म प्रेमी बंधुओ को कथा में रसपान के लिए आने का अनुरोध किया कल भगवान की बारात बड़े धूमधाम से निकलेगी साथ भगवान का विवाह उत्सव मनाया जाएगा कथा के मुख्य यजमान सतीश नरवाडीया परिवार रहा इस अवसर पर श्री राम मंदिर महंत बिहारी दास जी महाराज पंच धाकड़ समाज अध्यक्ष रामगोपाल मदारिया धन्नालाल भगत जगदीश सेकवाडिया शांतिलाल मदारिया राधेश्याम नदेडा गोविंद सलित्रा रामगोपाल वाक्तालिया राजेश नंदेडा राधेश्याम नदेडा राजेश धाकड़ कान्हा ढोढरिया जवाहरलाल धाकड़ गोपाल खमोरिया हीरालाल ढोढ़रिया कैलाश नायमा मोहन सगीत्रा दिलीप पटेल शांतिलाल एलया व कई समाज बंधु व भक्तजन सम्मिलित हुए कथा का रसपान किया।

745 करोड़ से बदलेगी इंदौर-देपालपुर रोड की तस्वीर, 37 किमी सड़क होगी फोरलेन

ब्लैक स्पॉट होंगे खत्म, यशवंत सागर पर बनेगा नया पुल; आवागमन होगा अधिक सुगम और सुरक्षित

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर से देपालपुर के बीच आवागमन करने वाले हजारों लोगों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से चौड़ी और बेहतर सड़क की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रवासियों को अब आधुनिक फोरलेन सड़क की सौगात मिलने जा रही है। करीब 745 करोड़ रुपये की लागत से इंदौर-देपालपुर मार्ग के लगभग 37 किलोमीटर हिस्से को फोरलेन बनाने की योजना पर काम आगे बढ़ रहा है। इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना के पूरा होने के बाद इंदौर और देपालपुर के बीच यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

वर्तमान में इस मार्ग पर बढ़ते यातायात और कई स्थानों पर सड़क की स्थिति के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़क के फोरलेन बनने से न केवल यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी, बल्कि वाहनों की आवाजाही भी सुचारू होने की उम्मीद है। खासकर देपालपुर क्षेत्र से इंदौर आने-जाने वाले दैनिक यात्रियों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट होंगे समाप्त- परियोजना के अंतर्गत मार्ग पर मौजूद दुर्घटना संभावित स्थानों और ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर उन्हें समाप्त करने की योजना बनाई गई है। सड़क के आधुनिक स्वरूप में विकसित होने से यातायात को अधिक सुरक्षित बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने और वाहन चालकों को सुरक्षित यात्रा सुविधा मिलने की उम्मीद है।

यशवंत सागर पर बनेगा नया पुल

इस बड़ी सड़क परियोजना में यशवंत सागर क्षेत्र में नया पुल बनाए जाने की भी योजना है। नया पुल बनने से इस क्षेत्र में यातायात की सुविधा बेहतर होगी और सड़क मार्ग को अधिक सुगम बनाया जा सकेगा। क्षेत्रवासियों का मानना है कि पुल और फोरलेन सड़क बनने के बाद इंदौर-देपालपुर मार्ग की वर्षों पुरानी यातायात संबंधी समस्याओं में काफी हद तक सुधार होगा।

क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई रफ्तार- इंदौर-देपालपुर मार्ग क्षेत्र की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इस मार्ग से आसपास के अनेक गांव और कस्बे जुड़े हुए हैं। बेहतर सड़क सुविधा मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, वहीं व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलने की संभावना है। किसानों को कृषि उपज को बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी और स्थानीय लोगों का समय भी बचेगा।

आधुनिक सड़क से आसान होगा सफर- फोरलेन निर्माण के बाद सड़क पर यातायात का दबाव कम होने और यात्रा का अनुभव बेहतर होने की उम्मीद है। चौड़ी सड़क, सुरक्षित यातायात व्यवस्था और महत्वपूर्ण स्थानों पर आवश्यक सुधार किए जाने से यह मार्ग क्षेत्र के प्रमुख आधुनिक सड़क मार्गों में शामिल हो सकता है।

कुल मिलाकर 745 करोड़ रुपये की यह महत्वाकांक्षी परियोजना इंदौर और देपालपुर के बीच केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि क्षेत्र के विकास, व्यापार, परिवहन और सुरक्षित आवागमन को नई दिशा देने वाली साबित हो सकती है।

पुलिस अधीक्षक सोनी ने देर रात्रि किया थाना सुसनेर का आकस्मिक निरीक्षण

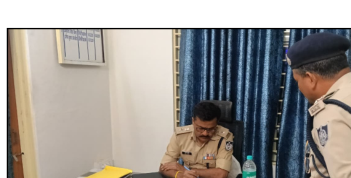

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक आगर मालवा दिलीप कुमार सोनी द्वारा मंगलवार देर रात्रि थाना सुसनेर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी सुसनेर निरीक्षक अनिल मालवीय सहित थाना बल उपस्थित रहा।

पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर का भ्रमण कर मालखाना, बंदीगृह, शस्त्रागार, छ्ष्टझ्रहस् कक्ष, कार्यालयीन शाखाओं एवं रिकॉर्ड संधारण व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने मालखाने में रखे प्रकरणों से संबंधित जप्त सामग्री एवं संपत्ति के सुरक्षित एवं व्यवस्थित रख-रखाव की जानकारी ली तथा अभिलेखों का नियमानुसार संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बंदीगृह के निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं, साफ-सफाई एवं बंदियों से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। शस्त्रागार का निरीक्षण करते हुए शासकीय शस्त्रों एवं कारतूसों के सुरक्षित रख-रखाव, उनकी स्थिति एवं रिकॉर्ड का परीक्षण किया गया तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने अपराध पंजीयन, विवेचना संबंधी प्रविष्टियों, लंबित कार्यवाही एवं विभिन्न ऑनलाइन रिकॉर्ड के अद्यतन की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि छ्ष्टझ्रहस् पर सभी आवश्यक प्रविष्टियां समय-सीमा में पूर्ण एवं अद्यतन रखी जाएं, ताकि पुलिसिंग से संबंधित जानकारी सही एवं समय पर उपलब्ध हो सके।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना क्षेत्र में लंबित अपराधों एवं शिकायतों, अपराध की स्थिति, विवेचना की प्रगति, वारंटों की तामीली तथा प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की भी समीक्षा की। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण तथा फरियादियों की शिकायतों पर संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने थाना क्षेत्र की रात्रिकालीन गश्त एवं सुरक्षा व्यवस्था की भी जानकारी ली। पुलिस बल को संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की प्रभावी चेकिंग, संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी, अपराधों की रोकथाम तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनुशासन, सतर्कता एवं तत्परता के साथ ड्यूटी निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्यप्रणाली में व्यावसायिक दक्षता के साथ आमजन के प्रति संवेदनशील, विनम्र एवं सहयोगात्मक व्यवहार भी आवश्यक है।

अक्षय शर्मा बने भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष तो पंकज जायसवाल को जिला महामंत्री का मिला दायित्व

भाजपा में सब्र और निष्ठा का मिला फल मिला बदनावर के दो युवा को

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से मोर्चा की जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। इस घोषणा में धार जिले के जिलाध्यक्ष पद की कमान बदनावर के वरिष्ठ व निष्ठावान कार्यकर्ता अक्षय शर्मा को सौंपी गई है, वहीं पंकज जायसवाल एवं विपिन राठौड़ को जिला महामंत्री के दायित्व से नवाजा गया है।

लंबे समय से संगठन के प्रति समर्पित, अनुशासित और धैर्यपूर्वक कार्य करने का प्रतिफल अक्षय शर्मा और पंकज जायसवाल को मिला है। सब्र और पार्टी के प्रति अटूट अनुशासन के दम पर अक्षय शर्मा ने जिलाध्यक्ष पद हासिल किया, वहीं पंकज जायसवाल को जिला महामंत्री पद से नवाजा गया। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा में जिलाध्यक्ष का दायित्व बदनावर को मिलने से स्थानीय कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों में भारी उत्साह की लहर है।

अक्षय शर्मा का संपूर्ण जीवन संघ संस्कारों और जनसेवा के प्रति समर्पित रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम वर्ष शिक्षित अक्षय शर्मा ने बचपन से स्वयंसेवक के रूप में कार्य करते हुए संघ में बस्ती प्रमुख, नगर महाविद्यालयीन विद्यार्थी प्रमुख, नगर कार्यवाह तथा सह खंड कार्यवाह जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। भाजपा संगठन में बदनावर नगर मंडल अध्यक्ष और विधानसभा उप-चुनाव में सोशल मीडिया प्रभारी के रूप में कार्य करते हुए अक्षय शर्मा ने अपनी कार्यशैली की छाप छोड़ी है। वही बूथ विस्तार योजना के अंतर्गत धार जिले में शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करवाकर जिले को पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाने पर उन्हें तत्कालीन प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव द्वारा सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया गया था। अक्षय के नगर मंडल अध्यक्ष कार्यकाल के दौरान विगत बदनावर नगर परिषद चुनाव में भाजपा ने 15 में से 11 वार्डों में ऐतिहासिक जीत दर्ज की और भाजपा की परिषद का गठन हुआ। राजनीतिक व संगठनात्मक सक्रियता के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में भी वे सदैव आगे रहे हैं। कोरोना महामारी के संकटकाल में अक्षय और पंकज ने जरूरतमंद परिवारों तक राशन सामग्री के पैकेट और जीवन रक्षक दवाइयां पहुँचाकर बड़ी राहत प्रदान की थी।

दोनों युवा की नियुक्ति की घोषणा होते ही धार और बदनावर क्षेत्र में समर्थकों व कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई। पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अक्षय शर्मा, जिला महामंत्री पंकज जायसवाल एवं विपिन राठौड़ को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। सभी ने विश्वास व्यक्त किया है कि यह नई कार्यकारिणी मोर्चा को और अधिक सशक्त, सर्वसमावेशी और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रसाद नहीं खरीदने पर श्रद्धालु परिवार से मारपीट, पुलिस ने आरोपी का निकाला जुलूस

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल दर्शन करने ग्वालियर से आए परिवार के साथ प्रसाद नहीं खरीदने पर मारपीट का मामला सामने आया था पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसका जुलूस निकाला। आरोपी का नाबालिग साथी भी पुलिस की हिरासत में है।

ग्वालियर का रहने वाला योगेश पिता ओमप्रकाश साहू दिल्ली गृह मंत्रालय में अकाउंटेंट है। दिल्ली में ही पत्नी नेहा कुमारी साइंटिस्ट है। दोनों परिवार के साथ बुधवार को महाकाल दर्शन करने उज्जैन पहुंचे थे। भारत माता मंदिर के पास फूल प्रसाद की दुकान लगाने वाले ने प्रसाद की डलिया लेने का दबाव बनाया मना करने पर दुकानदार और उसके साथी ने पति-पत्नी और परिवार के साथ मारपीट शुरू कर दी। गृह मंत्रालय अकाउंटेंट की पत्नी गर्भवती थी धक्का लगने पर वह गिर पड़ी। विवाद के बाद योगेश साहू परिवार के साथ महाकाल थाने पहुंचे और मामले की शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी गगन बादल के अनुसार मामले में साहू परिवार के साथ हुई मारपीट का प्रकरण दर्ज किया गया और आरोपियों की तलाश में टीम भेजी गई। दोपहर में मारपीट करने वाले दुकानदार संजू बंजारा निवासी आगर नाका और उसके नाबालिग साथी को हिरासत में ले लिया गया। दर्शनार्थी परिवार के साथ जहां मारपीट की गई थी उसी स्थान पर ले जाकर आरोपी सोनू बंजारा का जुलूस निकाला गया। नाबालिग को नोटिस पर रिहा किया गया है। वहीं मुख्य आरोपी सोनू को न्यायालय में पेश किया गया।

आगर-मालवा में बलराम जयंती मनाई

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना के निर्देशन में कृषि विज्ञान केन्द्र, आगर-मालवा में भगवान बलराम जयंती पर कृषकों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिले के कृषकों, कृषि अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ किसानों के आराध्य भगवान बलराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। उप संचालक कृषि गोपेश पाठक ने कहा कि भगवान बलराम भारतीय कृषि संस्कृति के प्रतीक हैं। उन्होंने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य सुधार तथा कृषि यंत्रीकरण, जैविक खेती को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. राजेन्द्र गवली ने संतुलित पोषण प्रबंधन, मृदा परीक्षण एवं फसल उत्पादन संबंधी वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. अखिलेश श्रीवास्तव ने कृषि नवाचारों एवं आधुनिक कृषि तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. मनीष सिंह ने फसलों में लगने वाले रोग एवं कीटों के नियंत्रण, जल प्रबंधन एवं कृषि आधारित उद्यमों के माध्यम से आय वृद्धि के उपायों पर जानकारी दी।

क्या कलेक्टर-एसडीएम ऐसे मकानों में रह सकते हैं? जयस का तीखा सवाल

सचिन वासुदेव पाटीदार के बाद अब जयस ने भी भैंसोला पुनर्वास स्थल के घटिया निर्माण को लेकर प्रशासन को 5 दिन का दिया अल्टीमेटम

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विस्थापन का दंश झेल रहे परिवारों की बदहाली का जायजा लेने जब जयस की टीम भैंसोला पुनर्वास स्थल पहुँची, तो प्रशासनिक दावों की पोल खुल गई। अधिकारियों की अनदेखी और ठेकेदारों की मनमानी के कारण विस्थापित परिवारों को दिए गए अधूरे मकानों में अभी से दरारें आने लगी हैं। पीने के पानी से लेकर शौचालय और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं के बिना जीवन गुजारने को मजबूर विस्थापितों का सब्र अब जवाब दे चुका है।

जयस पदाधिकारियों ने क्षेत्र का धरातलीय निरीक्षण कर विस्थापित परिवारों से सीधा संवाद किया और निर्माणाधीन मकानों की स्थिति देखी। निरीक्षण के दौरान जो गंभीर खामियाँ उजागर हुई उसमे मकानों में बेहद घटिया और लो-क्लास मटेरियल का उपयोग किया जा रहा है, जिससे कई मकानों में अभी से दरारें पड़ चुकी हैं। पहली मंजिल पर जाने के लिए उचित सीढ़ियों तक का प्रबंध नहीं किया गया है। पूरे क्षेत्र में पीने योग्य शुद्ध पानी, क्रियाशील शौचालय, स्कूल और बिजली की भारी किल्लत है।

जयस अध्यक्ष राहुल गिरवाल ने कहा की जब पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं ही नहीं हैं, तो ऐसे अधूरे मकान आवंटित करने का क्या औचित्य है। क्या इस तरह की बदहाली में कोई कलेक्टर, एसडीएम, विधायक या अन्य जनप्रतिनिधि रह सकता है। अगर अधिकारी खुद यहाँ नहीं रह सकते, तो गरीब विस्थापितों को ऐसी नारकीय स्थिति में रहने पर क्यों मजबूर किया जा रहा है। जयस जिलाध्यक्ष सुनील डावर ने भी कहा विस्थापितों को आवंटित मकानों का पूर्ण मालिकाना हक दिया जाना चाहिए, ताकि वे अपनी आवश्यकतानुसार मरम्मत या पुनर्निर्माण कर सकें। साथ ही शासन की जिम्मेदारी है कि वह पुनर्वास क्षेत्र में मुफ्त बिजली और पानी की व्यवस्था करे।

जयस कार्यकर्ता सचिन पाटीदार ने चेतावनी देते हुए कहा की प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को समस्याओं के समाधान के लिए 7 दिन का समय दिया गया था, जिसमें से अब केवल 5 दिन शेष हैं। यदि तय समय-सीमा में निराकरण नहीं हुआ, तो जयस संगठन के बैनर तले सड़क से लेकर संसद तक लोकतांत्रिक तरीके से निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी। प्रशासन विस्थापितों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है। यदि दी गई मोहलत में कार्य पूरा नहीं हुआ, तो पुनर्वास स्थल पर ही अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू होगा, जिसकी पूरी जवाबदेही शासन-प्रशासन की होगी।

जयस पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर से गुहार लगाई है कि वे स्वयं भैंसोला पुनर्वास क्षेत्र का दौरा कर विस्थापितों का दर्द सुनें। साथ ही, घटिया निर्माण सामग्री की तकनीकी जांच करवाकर दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। संगठन ने साफ किया है कि जमीन लेते समय जो वादे किए गए थे, उनसे कम पर कोई समझौता नहीं होगा। इस मौके पर जिला मीडिया प्रभारी अजय डावर, उपाध्यक्ष मनीष डावर, प्रभारी श्याम ओसारी, कोषाध्यक्ष जितेंद्र मुनिया, सुनील डावर, दिनेश सहित बड़ी संख्या में जयस कार्यकर्ता और विस्थापित ग्रामीण मौजूद रहे।

गेट हो की दो दिन पूर्व ही सचिन वासुदेव पाटीदार ने पुनर्वास स्थल का निरिक्षण कर क्षेत्रीय विधायक भंवर सिंह शेखावत को आड़े हाथो लेकर मामले को उठाया था।

रात 11 से तड़के 4 बजे तक पुलिस की कॉम्बिंग गश्त, 345 वारंटी पकड़े गए, गुंडे बदमाशों को किया गया चेक

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में मंगलवार-बुधवार रात पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त की रात 11 बजे से सुबह 4 तक जारी गश्त में 345 स्थाई और गिरफ्तारी वारंटी पकड़े गये। 20 से अधिक गुंडे बदमाशों को चेक किया गया। चाकू के साथ दो बदमाश भी गिरफ्त में आ गए।

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि जिले में रात को कॉम्बिंग गश्त की गई। करीब 5 घंटे तक चली गश्त के दौरान स्थाई और गिरफ्तारी वारंटी की तलाश की गई गश्त पूरी होने से पहले 140 स्थाई वारंटी और 215 गिरफ्तार वारंटी को संबंधित थानों की लॉकअप तक पहुंचा जा चुका था। सभी को बुधवार दोपहर को संबंधित न्यायालय में पेश किया गया है। रात में मुख्य मार्गो से गली मोहल्ले तक दौड़ती पुलिस ने देर रात बेवजह घूमते 15 लोगों को भी संदिग्ध परिस्थिति में पकड़ा और पूछताछ की सभी से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक धारा में कार्रवाई की गई। अवैध शराब के साथ बदमाश को पकड़ा गया दो बदमाशों के पास चाकू बरामद होने पर आर्म्स एक्ट की कार्रवाई की गई। रात में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 21 चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई कर संबंध शुल्क वसूला गया। जिले की थाना पुलिस ने अपने क्षेत्र के गुंडे बदमाशों के घरों तक दस्तक दी और उनकी गतिविधियों का पता लगाया। इस दौरान जिला बदर बदमाशों को भी चेक किया गया।

शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष निर्वाचन के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

1 जिला पंचायत सदस्य, 1 सरपंच एवं 3 पंच पदों के लिए होगा उप निर्वाचन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष-2026 (पूर्वार्द्ध) का निर्वाचन कार्यक्रम घोषित किए जाने के साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। जिले में उप निर्वाचन शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने तथा कानून व्यवस्था, लोक शांति एवं लोक सुरक्षा बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। उप निर्वाचन के तहत जनपद पंचायत राणापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कंजावानी खास, समोई, छागोला, जुनागांव, खेड़ाअंधारखड़, आधारखड़, मोरडुंडिया, चुई, सरदारपुर, भोडली, ढोल्यावड़, छापरखण्डा, भोरकुंडिया, डिग्गी, अगेरा, मोहनपुराभुरका, माछलियाझीर, बन, पुवाला, भुतखेड़ी, सनोड, भूरीमाटी एवं मातासूला को सम्मिलित करते हुए जिला पंचायत सदस्य के वार्ड क्रमांक-06 में निर्वाचन होगा। इसी प्रकार जनपद पंचायत थांदला की ग्राम पंचायत पलासडोर में सरपंच पद के लिए सम्पूर्ण ग्राम पंचायत में निर्वाचन होगा । ग्राम पंचायत परवाड़ा के वार्ड क्रमांक-20 तथा ग्राम पंचायत दौलतपुरा के वार्ड क्रमांक-10 में पंच पद के लिए निर्वाचन होगा। जनपद पंचायत मेघनगर की ग्राम पंचायत रंभापुर के वार्ड क्रमांक-13 में पंच पद के लिए निर्वाचन होगा, जो अनुसूचित जनजाति महिला के लिए आरक्षित है।

रेल कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने की कवायद, सांसद पाटील ने नागपुर में रेलवे के आला अफसरों के सामने उठाए बड़े मुद्दे

दादाजी धाम एक्सप्रेस फिर दौड़ाने और बंद स्टॉपेज बहाल कराने से लेकर नई ट्रेनों की मांग

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुरहानपुर ,नेपानगर सहित पूरे खंडवा लोकसभा क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार को लेकर सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने बुधवार को नागपुर में सेंट्रल रेलवे के महाप्रबंधक एवं अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में बुरहानपुर के निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज को जल्द पूरा करने, शिवाजी नगर-चिंचाला को जोड़ने के लिए नए ओवरब्रिज, नेपानगर में कोविड काल से बंद ट्रेन स्टॉपेज बहाल करने, अमृत भारत स्टेशन के कार्यो को गति देने, नई ट्रेन सेवाएं शुरू करने तथा खंडवा स्टेशन के री-डेवलपमेंट और तीसरी-चौथी रेलवे लाइन के कार्यो सहित क्षेत्र की प्रमुख रेल मांगों को मजबूती से रखा गया।

दादाजी धाम एक्सप्रेस फिर दौड़े, बंद स्टॉपेज हों बहाल - नेपानगर के यात्रियों की लंबे समय से जुड़ी रेल जरूरतों को देखते हुए कोविड काल में बंद किए गए ट्रेन स्टॉपेज को पुनः बहाल करने की मांग प्रमुखता से रखी गई। विशेष रूप से कोविड से पूर्व भुसावल-नागपुर के बीच चलने वाली दादाजी धाम एक्सप्रेस का पुनः संचालन शुरू कराने के लिए आवश्यक प्रयास करने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही बुरहानपुर, नेपानगर और खंडवा में यात्रियों की सुविधा के अनुरूप नई ट्रेनों के स्टॉपेज देने की मांग भी अधिकारियों के समक्ष रखी गई।

ओंकारेश्वर-त्र्यंबकेश्वर के बीच ट्रेन की मांग, बडनेरा-अमरावती तक नई कनेक्टिविटी - सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने बैठक में धार्मिक और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी से जुड़ी महत्वपूर्ण मांग भी उठाई गई। ओंकारेश्वर से त्र्यंबकेश्वर के बीच नई ट्रेन सेवा शुरू करने पर जोर दिया गया, जिससे मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के दो प्रमुख ज्योतिर्लिंग तीर्थस्थल सीधे रेल सेवा से जुड़ सकेंगे और श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी। इसके अलावा खंडवा-बुरहानपुर होते हुए बडनेरा-अमरावती के बीच नई ट्रेन सेवा प्रारंभ करने की मांग को भी प्राथमिकता से रखा गया। इस रेल सेवा से क्षेत्र की यात्री कनेक्टिविटी को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई गई।

बुरहानपुर में निर्माणाधीन ओवरब्रिज जल्द पूरा हो, नए ओवरब्रिज की भी मांग - बुरहानपुर की स्थानीय यातायात व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी बैठक में विशेष जोर रहा। निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने की मांग रखी साथ ही लालबाग क्षेत्र में शिवाजी नगर और चिंचाला वार्ड को जोड़ने के लिए नए रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण पर विस्तार से चर्चा की। इन दोनों कार्यो को क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने और रेलवे क्रॉसिंग से जुड़ी आमजन की परेशानियों को कम करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया गया।

नेपानगर अमृत स्टेशन के काम की प्रगति जानी, स्टॉपेज बहाली पर भी जोर - नेपानगर रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्यो की प्रगति को लेकर भी अधिकारियों से जानकारी ली गई। स्टेशन विकास कार्यो को गति देने के साथ ही कोविड काल से बंद किए गए ट्रेन स्टॉपेज को पुनः यथावत करने की मांग रखी गई। उद्देश्य यह है कि स्टेशन के विकास के साथ यात्रियों को बेहतर और अधिक उपयोगी रेल सेवाएं भी मिलें।

खंडवा स्टेशन री-डेवलपमेंट और तीसरी-चौथी लाइन पर भी नजर - बैठक में खंडवा रेलवे स्टेशन के री-डेवलपमेंट कार्य को जल्द शुरू करने की मांग प्रमुखता से रखी गई। इसके साथ ही खंडवा लोकसभा क्षेत्र से जुड़े तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के कार्यो की प्रगति की समीक्षा की गई। सांसद ने संबंधित अधिकारियों से परियोजनाओं की स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्यो को गति देने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का आभार - सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी के नेतृत्व में देशभर में रेलवे के आधुनिकीकरण, नई रेल लाइनों, स्टेशन पुनर्विकास और यात्री सुविधाओं के विस्तार का व्यापक कार्य हो रहा है। उन्होंने खंडवा लोकसभा क्षेत्र में रेलवे से जुड़ी विभिन्न विकास परियोजनाओं और सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रधानमंत्री जी एवं रेल मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर, नेपानगर और खंडवा क्षेत्र की रेल जरूरतों को लेकर प्रयास निरंतर जारी हैं। क्षेत्र को बेहतर रेल कनेक्टिविटी, यात्रियों को सुविधाजनक आवागमन और रेलवे से जुड़ी लंबित परियोजनाओं को गति दिलाने के लिए इन मुद्दों को लगातार उचित स्तर पर मजबूती से उठाया जा रहा है। बैठक में मध्य रेल समिति सदस्य मनोज सोनी भी उपस्थित रहे।

जिलेभर में दूध की गुणवत्ता जांच के लिए विशेष रैपिड टेस्ट अभियान

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश, भोपाल के आदेशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिलेभर में दूध की गुणवत्ता की जांच के लिए विशेष रैपिड टेस्ट अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विभिन्न डेयरियों, दूध कलेक्शन सेंटरों एवं चिलिंग सेंटरों का निरीक्षण कर रैपिड टेस्टिंग किट की सहायता से मौके पर ही दूध की गुणवत्ता एवं संभावित मिलावट की जांच की जा रही है। अभियान के दौरान दूध में माल्टोडेक्सट्रिन, स्टार्च, शुगर, सॉल्ट एवं हाइड्रोजन परॉक्साइड आदि की उपस्थिति की प्राथमिक जांच की जा रही है। इसी क्रम में रंभापुर स्थित गुरुकृपा दूध डेयरी, नंदनी दूध डेयरी एवं साई मिल्क चिलिंग सेंटर तथा झाबुआ स्थित देवकृपा दूध डेयरी, देव नारायण दूध डेयरी एवं नाकौड़ा दूध डेयरी सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों पर दूध के कुल 15 नमूनों का रैपिड टेस्ट किया गया।

पीपलू में शिवसेना कार्यालय का भव्य शुभारंभ, प्रदेश अध्यक्ष प्रभात पुरानिया की मौजूदगी में संगठन विस्तार का संकल्प नई कार्यकारिणी की घोषणा से कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। तहसील क्षेत्र के ग्राम पीपलू में शिवसेना के नवीन कार्यालय का भव्य शुभारंभ समारोह पूर्वक किया गया। संगठन के कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष प्रभात पुरानिया एवं प्रदेश महासचिव अनिल जोशी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में उज्जैन जिला महासचिव राजेश कायस्थ, बड़नगर नगर अध्यक्ष संतोष बगेरवाल सहित युवासेना पदाधिकारी, ग्रामीण क्षेत्र के युवा,कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। कार्यालय शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। नवीन कार्यालय को ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को संगठन के माध्यम से उठाने और जनहित के मुद्दों पर आवाज बुलंद करने के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने की बात कही गई। पदाधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन की सक्रियता बढ़ने से आमजन की समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

प्रदेश अध्यक्ष प्रभात पुरानिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिवसेना का मूल मंत्र 80 प्रतिशत समाजसेवा और 20 प्रतिशत राजनीति है। संगठन का उद्देश्य केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करना और जनसमस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करना भी संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर कार्यालय की स्थापना संगठन के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अपनी समस्याओं और शिकायतों को संगठन के माध्यम से सामने रखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी एकजुटता बनाए रखते हुए संगठन की विचारधारा और रीति-नीति को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया तो वहीं नगर अध्यक्ष संतोष बगेरवाल ने अपने संबोधन में जनसेवा, जीव सेवा और सामाजिक सरोकारों को संगठन की प्राथमिकता बताते हुए कार्यकर्ताओं से समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन की पहचान केवल पद और राजनीतिक गतिविधियों से नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं द्वारा किए जाने वाले सेवा कार्यों से बनती है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से पीड़ित और जरूरतमंद लोगों की सहायता करने, मूक जीवों की रक्षा करने तथा सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहने का आह्वान किया। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा के साथ निभाने पर जोर दिया।

नई कार्यकारिणी की अधिकृत घोषणा- मोहित सिंह दखणी को जिला अध्यक्ष एवं बड़नगर विधानसभा प्रभारी बनाया गया। रवि कुमार सिंदल को जिला उपाध्यक्ष एवं लोहाना मंडल अध्यक्ष, धर्मेन्द्र सुर्वेशी को जिला महासचिव, जीवन राव मराठा को जिला सचिव एवं लोहाना मंडल उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

इसी प्रकार दीपक राठौर को जिला प्रवक्ता तथा सचिन पाटीदार को जिला संपर्क प्रभारी एवं लोहाना मंडल सचिव नियुक्त किया गया। सतीश राव को धार तहसील अध्यक्ष, ऊँकार चौधरी को बदनावर तहसील अध्यक्ष और कान्हा चौधरी को बदनावर तहसील उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

वहीं अनिल नागर को बड़नगर तहसील उपाध्यक्ष तथा ग्राम पीपलू के लिए पिंटू परमार को ग्राम अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नई जिम्मेदारियों की घोषणा के दौरान मौजूद कार्यकर्ताओं ने पदाधिकारियों का उत्साह बढ़ाया और संगठन के विस्तार के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

कार्यालय शुभारंभ के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र में संगठन की गतिविधियों को विस्तार देने को लेकर भी चर्चा हुई। प्रदेश एवं जिला स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में हुए कार्यक्रम ने संगठन के स्थानीय कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा और कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन ग्रामीण युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष हरजीत सिंह कड़ोदिया का दायित्व ग्रहण समारोह सम्पन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता युवा मोर्चा, उज्जैन ग्रामीण के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष हरजीत सिंह कड़ोदिया ने आज विधि-विधान एवं संगठनात्मक परम्परा के अनुसार अपने दायित्व का पदभार ग्रहण किया। जिला भाजपा कार्यालय पर आयोजित भव्य समारोह में कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व युवा जोश देखने को मिला।

जिला मीडिया प्रभारी गजेन्द्र परमार ने बताया कि आज के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के सैकड़ो की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ता साक्षी बने।

इस गरिमामय अवसर पर मुख्य रूप से मध्यप्रदेश शासन के मंत्री एवं उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल, भाजपा उज्जैन ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्री राजेश धाकड़, नागदा-खाचरौद विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान, बड़नगर विधायक श्री जितेन्द्र पण्ड्या, उज्जैन नगर पालिक निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राकेश पंड्या, जिला महामंत्री राकेश यादव, श्याम शर्मा,भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल वर्मा,मोर्चा प्रदेश मंत्री कार्तिकेय मिश्रा,विनायक कोठरी,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर देवड़ा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में युवा मोर्चा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी युवाओं की पार्टी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्य धारा में जोड़ा है। हरजीत सिंह कड़ोदिया जैसे ऊर्जावान, जमीन से जुड़े युवा नेतृत्व को जिम्मेदारी मिलना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा में परिश्रम का सम्मान है। मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में उज्जैन ग्रामीण का युवा मोर्चा बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त होगा और केन्द्र व राज्य सरकार की युवा हितैषी योजनाओं को घर-घर तक ले जाएगा। युवा ही विकसित भारत के संकल्प का सारथी है।

जिलाध्यक्ष राजेश धाकड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता ही संगठन है भारतीय जनता युवा मोर्चा सिर्फ एक मोर्चा नहीं, बल्कि भाजपा की ऊर्जा, उसकी गति और उसका भविष्य है। जब युवा मोर्चा मैदान में उतरता है, तो संगठन में नया जोश और नई ताकत आती है।

केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार की हर युवा हितैषी योजना, हर गांव-गली के युवा तक युवा मोर्चा ही लेकर जाएगा।

मुझे विश्वास है कि उज्जैन ग्रामीण का युवा मोर्चा पूरे प्रदेश में संगठन और संघर्ष का नया मॉडल स्थापित करेगा।÷

हमारा लक्ष्य है - हर मंडल, हर बूथ पर युवा की भागीदारी। आगामी सभी कार्यक्रमों में युवा मोर्चा अग्रिम पंक्ति में रहकर पार्टी को मजबूती देगा। मैं नवनियुक्त अध्यक्ष हरजीत सिंह व नवनियुक्त जिला महामंत्री राहुल धाकड़ को बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

कार्यक्रम को नागदा खाचरोद विधायक डॉ तेजबहादुर सिंह चौहान व बड़नगर विधायक जितेंद्र पंड्या ने भी संबोधित किया दोनों ने अपने वक्तव्य में देशहित में और संगठन हित में युवाओं की भागीदारी पर जोर दिया।

दायित्व ग्रहण के पश्चात अपने प्रथम उद्बोधन में श्री हरजीत सिंह कड़ोदिया ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा- यह मेरे लिए पद नहीं, परम जिम्मेदारी है। मैं संगठन को विश्वास दिलाता हूँ कि युवा मोर्चा उज्जैन ग्रामीण की टीम 24×7 राष्ट्र प्रथम के मंत्र के साथ काम करेगी। हमारा मिशन है - युवा जोश, राष्ट्र होश और बूथ स्तर पर जोर।

हम गांव-गांव जाकर युवाओं को भाजपा की विचारधारा से जोड़ेंगे, नशे के विरुद्ध जागरूकता, स्वरोजगार, खेल और शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं को प्रेरित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जी का %विकसित भारत - विकसित मध्यप्रदेश% का जो विजन है, उसे हम युवा शक्ति के माध्यम से जमीन पर उतारेंगे। मैं सभी वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए संकल्पित हूँ। जय हिंद, जय भाजपा!÷

कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा जिला महामंत्री भवानी सिंह द्वारा किया गया एवं अंत में सभी अतिथियों का आभार नवनियुक्त युवा मोर्चा जिला महामंत्री राहुल धाकड़ ने व्यक्त किया गया।

उज्जैन भाजपा महिला मोर्चा मातृशक्ति ने पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा को बांधे रक्षा सूत्र

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन नगर भाजपा महिला मोर्चा मातृशक्ति द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर मोर्चा प्रदेश मंत्री प्रमिला यादव, अध्यक्ष नीना चौहान के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा जी को प्रदेश मीडिया सह प्रभारी राकेश पांड्या जी की उपस्थिति में रक्षा सूत्र बाँध कर शुभाशीष दिया बदले में प्रदीप शर्मा ने बहनो को सदेव रक्षा करने के लिए अश्वत्थ किया !इस अवसर पर प्रियंका सेंगर, सोनल जोशी, प्रतिक्षा शर्मा,संज्ञा चौहान, कविता राठौर, मधु यादव, कविता राय, हीरा मणि कहर, मंजू कसरा अन्य बहने सम्मिलित हुई !

उज्जैन के 3129 मेधावी विद्यार्थियों के खाते में पहुंची लैपटॉप की राशि

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत मंगलवार को मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के 1.21 लाख से अधिक मेधावी विद्यार्थियों के बैंक खातों में लैपटॉप खरीदने की राशि अंतरित की। इसमें उज्जैन जिले के 3129 विद्यार्थियों को भी योजना का लाभ मिला। प्रत्येक पात्र विद्यार्थी के खाते में 25 हजार रुपए की राशि सीधे जमा की गई। लैपटॉप के लिए राशि मिलने से विद्यार्थियों में खुशी है। उज्जैन के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा राधिका मालवीय ने कहा कि लैपटॉप आगे की पढ़ाई में काफी मददगार साबित होगा। साथ ही ऑनलाइन अध्ययन और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के जरिए करियर बनाने में भी यह मील का पत्थर साबित होगा। योजना के तहत कक्षा 12वीं की परीक्षा में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। राशि सीधे विद्यार्थियों के बैंक खातों में अंतरित होने से उन्हें लैपटॉप खरीदने में सुविधा मिलेगी।

सीईओ जिला पंचायत श्री कूमट द्वारा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में बुधवार को सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उच्च शिक्षा एवं स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं, प्रवेश, छात्रवृत्ति, निर्माण कार्य, विद्यार्थियों की सुविधाओं तथा लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में महाविद्यालयों में ई-प्रवेश की स्थिति की समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने शासकीय महाविद्यालयों में शेष बची सीटों की जानकारी ली तथा सीटें रिक्त रहने के कारणों की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि शेष सीटों को शीघ्र भरा जाए। कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों की काउंसलिंग कर उन्हें महाविद्यालयों में प्रवेश दिलाने के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश भी दिए।

महर्षि श्री अरविंद के विचारों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें : अजीता परमार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा महर्षि श्री अरविंद जयंती के उपलक्ष्य में शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं महर्षि श्री अरविन्द के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य एवं शासकीय निकाय सदस्य श्रीमती अजीता परमार ने कहा कि महर्षि श्री अरविन्द का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग एवं आध्यात्मिक चेतना का प्रेरणादायी उदाहरण है। युवाओं को उनके विचारों को आत्मसात कर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। मुख्य वक्ता डॉ. लतिका व्यास ने कहा कि महर्षि श्री अरविन्द महान स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-साथ आध्यात्मिक चिंतक भी थे। उनके समग्र मानव विकास और राष्ट्र निर्माण के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रासंगिक हैं। संभाग समन्वयक जन अभियान परिषद शिवप्रसाद मालवीय ने कहा कि महापुरुषों के जीवन एवं विचारों से प्रेरणा लेकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

विशिष्ट अतिथि विष्णुनारायण सक्सेना ने कहा कि श्री अरविंद शिक्षा को व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का माध्यम मानते थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. आर.के. हरदहा ने की। उन्होंने युवाओं से श्री अरविंद के आदर्शों को समझकर राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया।

कलश वंदन यात्रा ने दिया समरसता, समानता और सामाजिक एकता का संदेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज भारतीय संत परंपरा के महान समाज सुधारक एवं मानवता के प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने अपने विचारों और संदेशों के माध्यम से समाज को समानता, समरसता, भाईचारे और प्रेम का मार्ग दिखाया। यह बात निगम सभापति श्रीमती कलावती जी यादव ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत उज्जैन ग्रामीण मंडल में निकाली गई कलश वंदन यात्रा के दौरान कही।

श्रीमती यादव ने कहा कि गुरु रविदास जी का सबसे बड़ा संदेश था कि मनुष्य की पहचान उसके कर्म और सद्गुणों से होती है, जन्म या जाति से नहीं। उन्होंने ऊंच-नीच, भेदभाव और सामाजिक असमानता का विरोध करते हुए ऐसे समाज की कल्पना की, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और समान अवसर प्राप्त हो। उनके विचार आज भी समाज को एकता, सद्भाव और मानवता का मार्ग दिखाते हैं।

समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत निकाली गई यह कलश वंदन यात्रा बूजराजखेड़ी, गंगोड़ी, पिपलिया राधो, निनोरा, जमालपुरा, मगारिया, नायाखेड़ी, सिलौदामोरी, करोहण, गोंदिया, तालोद, उमरिया सहित 26 गांवों में पहुंची। यात्रा के माध्यम से संत रविदास जी महाराज के समरसता, समानता, सामाजिक एकता एवं भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया गया।

यात्रा में भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र आंजना , कमलेश बैरवा, शैलेंद्र शर्मा, जितेंद्र भाटी, शोभाराम मालवीय , हाकम सिह आंजना ,कारणसिंह अंजना, अमृतलाल कुमावत ,रमेश वर्मा , अर्जुन रघुवंशी, अनिल वर्मा महामंत्री दिनेश पटेल व अनिल मालवीय , मुकेश आंजना अहित समाज के विभिन्न वर्गों के श्रद्धालु, मातृशक्ति एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक शामिल हुए। विभिन्न स्थानों पर माता-बहनों एवं श्रद्धालुओं द्वारा कलश का वंदन एवं पूजन किया गया तथा संत रविदास जी महाराज के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। उक्त जानकारी भाजपा सह मीडिया प्रभारी राजकुमार बंशीवाल ने दी।

महाकाल दर्शन करने आए गृह मंत्रालय के कर्मचारी व परिवार से मारपीट

दुकानदारों ने पहले बैग रखने के बहाने बुलाया, 100-150 रुपए का प्रसाद खरीदने के बाद भी और सामान लेने का बनाया दबाव- महिलाओं से धक्का-मुक्की, एक हिरासत में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन आए केंद्रीय गृह मंत्रालय के सीनियर अकाउंटेंट योगेश साहू और उनके परिवार के साथ महाकाल मंदिर क्षेत्र में मारपीट का मामला सामने आया है। परिवार का आरोप है कि प्रसाद और फूल की दुकान संचालित करने वाले लोगों ने सामान खरीदने का दबाव बनाया। मना करने पर विवाद बढ़ गया और 4-5 लोगों ने परिवार के सदस्यों के साथ हाथापाई शुरू कर दी। घटना में महिलाओं सहित कई लोगों को चोटें आई हैं। शिकायत के बाद महाकाल पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार योगेश साहू मंगलवार को पत्नी, बहन और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ग्वालियर से उज्जैन पहुंचे थे। महाकाल मंदिर क्षेत्र में दर्शन के दौरान प्रसाद की दुकानों पर बैग रखने के लिए परिवार को दुकान पर बुलाया गया। आरोप है कि दुकानदारों ने बैग रखने के बदले प्रसाद खरीदने के लिए कहा। परिवार ने करीब 100 से 150 रुपए का प्रसाद खरीदा और वहां से आगे बढ़ने लगा।

'और प्रसाद लो'... मना किया तो पीछे आए युवक- परिवार का आरोप है कि प्रसाद खरीदने के बाद भी दुकानदारों ने उनसे और सामान खरीदने का दबाव बनाया। परिवार ने जब इससे इनकार किया तो विवाद शुरू हो गया। योगेश साहू के मुताबिक, देखते ही देखते 4-5 लोग उनके पीछे आ गए और परिवार के सदस्यों से हाथापाई करने लगे। इस दौरान खरीदा हुआ प्रसाद भी छीन लिए जाने का आरोप है।

महिलाओं से धक्का-मुक्की, बच्चे को लेकर भी मचा हंगामा- मारपीट के दौरान परिवार की महिलाओं के साथ भी धक्का-मुक्की की गई। अंकिता साहू की कोहनी में चोट आने की बात सामने आई है। वहीं योगेश साहू के गाल पर थप्पड़ मारने का आरोप है। ओमप्रकाश साहू, नेहा कुमारी शाह, हर्ष देवी साहू और अंजली साहू के साथ भी धक्का-मुक्की होने की शिकायत की गई है। परिवार के साथ मौजूद छोटे बच्चे को लेकर भी विवाद के दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया। नेहा कुमारी शाह के गर्भवती होने के कारण परिजन घटना को लेकर खासे चिंतित नजर आए।

शिकायत पर कार्रवाई, एक हिरासत में- घटना के बाद परिवार महाकाल थाने पहुंचा और पूरे मामले की शिकायत की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू करते हुए एक युवक को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस अब घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका भी जांच रही है। मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं से सामान खरीदने को लेकर विवाद और मारपीट की इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

अपहरण-निकाह मामले में मौलवी को किया गिरफ्तारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नाबालिग के अपहरण और निकाह मामले में इंदौर खजराना थाना पुलिस की टीम ने उज्जैन में दबिश मारी। निकाह कराने वाले मौलवी को गिरफ्तार कर इंदौर ले जाया गया है। निकाह करने वाला उज्जैन का युवक भी पकड़ा गया है। इंदौर खजराना थाना प्रभारी मनोज सेंधव ने बताया कि थाना क्षेत्र की नाबालिग अगस्त माह में लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत पर अपहरण का मामला दर्ज कर कुछ दिन पहले नाबालिग का दस्तयाब किया और बयान दर्ज किये गये। इस दौरान सामने आया कि उज्जैन के रहने वाले सलमान इंदौर में नलिहाल है, वह बहला-फुसलाकर अपने साथ उज्जैन ले गया था। जहां मौलाना आरिफ नकवी ने उनका निकाह करा दिया था। थाना प्रभारी के अनुसार मामला नाबालिग के अपहरण से जुड़ा होने पर सलमान को गिरफ्तार किया गया, जिससे पूछताछ के बाद मौलाना की जानकारी सामने आने पर उसकी तलाश में मंगलवार को उज्जैन में दबिश दी गई। मौलाना को नाबालिग का निकाह कराने के मामले में गिरफ्तार कर इंदौर लाया गया है। जहां पूछताछ की जा रही है। बुधवार दोपहर कोर्ट में पेश किया जायेगा। इधर स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार आरिफ नकवी महाकाल घाटी पर ऑफिस भी चलता है। पूर्व में भी उसका विवादित मामलों में नाम सामने आ चुका है।

जीरो लार्वा अभियान, घर-घर लार्वा तलाश कर दवा छिड़क रही स्वास्थ्य विभाग की टीम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मलेरिया और अन्य मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने उज्जैन में 'जीरो लार्वा' अभियान तेज कर दिया है। अभियान के तहत घर-घर पहुंचकर लार्वा की जांच की जा रही है। इसके अलावा सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और छात्रावासों में भी सघन सर्वे चल रहा है।

अभियान के दौरान जहां पानी में मच्छरों का लार्वा मिल रहा है, वहां तत्काल लार्वानाशक दवा का छिड़काव कर उसे नष्ट किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल और जिला मलेरिया अधिकारी डी.एस. सिरोदिया की निगरानी में चल रहे अभियान में लार्वा मिलने तक नहीं, बल्कि जीरो लार्वा होने तक सर्वे और कार्रवाई जारी रखने का लक्ष्य रखा गया है। टीमों द्वारा मच्छरों के संभावित प्रजनन स्थलों की पहचान कर पानी की निकासी भी कराई जा रही है।

बुखार वालों की भी तलाश, मलेरिया मिला तो मुफ्त इलाज- लार्वा सर्वे के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीमें बुखार के मरीजों की भी सक्रिय खोज कर रही हैं। संदिग्ध मरीजों की जांच की जा रही है और मलेरिया की पुष्टि होने पर शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में निःशुल्क उपचार दिया जा रहा है। लोगों को पैम्फलेट बांटकर मच्छरों से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं।

7 दिन में बदलें कूलर और गमलों का पानी-स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से घरों में मच्छरों को पनपने से रोकने की अपील की है। टूटे डिब्बे, पुराने टायर और अनुपयोगी बर्तनों में जमा पानी तत्काल खाली करें। पानी के ड्रम और ओवरहेड टैंक को ढककर रखें। कूलर, पक्षी जलपात्र, मनी प्लांट और गमलों का पानी हर 7 दिन में खाली कर नया पानी भरें। आसपास कहीं पानी जमा हो तो उसकी निकासी करवाएं। जरूरत पड़ने पर रुके पानी में लार्वानाशक दवा का छिड़काव करें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग भी करें।

स्वास्थ्य विभाग ने साफ किया है कि मच्छरों के प्रजनन स्थल खत्म करना ही बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। इसलिए घर और आसपास पानी जमा न होने दें तथा बुखार आने पर नजदीकी शासकीय अस्पताल में जांच जरूर करवाएं।

सिंहस्थ बायपास पर स्कूल बस और कार में आमने-सामने भिड़ंत, मासूम बच्चों में मची चीख-पुकार

पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास हुआ हादसा, बोसोन इंटरनेशनल स्कूल की बस में सवार थे छोटे बच्चे- कई बच्चों को आई चोटें, गंभीर अनहोनी टली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ बायपास पर बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब छोटे बच्चों से भरी बोसोन इंटरनेशनल स्कूल की बस सामने से आ रही कार से टकरा गई। पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास हुई आमने-सामने की भिड़ंत में बस में सवार कुछ बच्चों को चोटें आईं। हादसे के बाद बच्चों को तत्काल बस से नीचे उतारा गया। गनीमत रही कि किसी बच्चे को गंभीर चोट नहीं आई।

जानकारी के अनुसार बोसोन इंटरनेशनल स्कूल की बस क्रमांक एमपी-13 पी-1172 बुधवार सुबह शांति पैलेस की ओर से सिंहस्थ बायपास से गुजर रही थी। इसी दौरान पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप सामने से आ रही कार क्रमांक यूपी-16 बीपी-1851 से बस की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी अचानक हुई कि बस में बैठे बच्चों में अफरा-तफरी मच गई।

तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह!

प्रत्यक्ष रूप से सामने आई जानकारी के मुताबिक बस और कार दोनों तेज गति से आ रहे थे। इसी दौरान दोनों वाहनों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और बस में सवार बच्चों को बाहर निकाला गया। बच्चों के चोटिल होने की जानकारी सामने आई है, हालांकि किसी की हालत गंभीर होने की बात सामने नहीं आई है।

पुलिस की पुष्टि नहीं, सोशल मीडिया पर खबर वायरल- हादसे की खबर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी इसकी जानकारी तेजी से वायरल होने लगी। हालांकि समाचार लिखे जाने तक संबंधित थाना पुलिस ने दुर्घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की थी। ऐसे में हादसे में घायल बच्चों की संख्या और दुर्घटना के सही कारणों की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आ सकी है।

स्कूली बस में छोटे बच्चों के सवार होने के कारण हादसे ने एक बार फिर स्कूल बसों की रफ्तार और बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि इस दुर्घटना में गंभीर अनहोनी नहीं होने से परिजनों ने राहत की सांस ली।

जन्माष्टमी पर सांदीपनि आश्रम में निखरेगा कृष्ण दरबार

कृष्ण-बलराम, सुदामा और गुरु सांदीपनि के लिए नीले मखमली वस्त्र तैयार- पालने में विराजेंगे लड्डू गोपाल सफेद-गुलाबी परिधान में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली सांदीपनि आश्रम में 4 सितंबर को होने वाले जन्माष्टमी उत्सव की तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। जन्मोत्सव के लिए भगवान श्रीकृष्ण, बलराम, सुदामा, गुरु सांदीपनि और गुरु माता के विशेष परिधान तैयार किए जा रहे हैं। इस बार सभी के लिए नीले रंग के मखमली वस्त्र तैयार करवाए गए हैं। वहीं, जन्म के बाद पालने में विराजने वाले लड्डू गोपाल सफेद और गुलाबी रंग के आकर्षक परिधान में नजर आएंगे।

सांदीपनि आश्रम के पुजारी परिवार की पंडित कीर्ति रूपम व्यास के अनुसार जन्माष्टमी की तैयारियां करीब चार माह पहले ही शुरू कर दी जाती हैं। भगवान के वस्त्रों के लिए कपड़े, रंग, रेशमी धागे और मोतियों का चयन पहले ही कर लिया जाता है। इसके बाद परिधानों को तैयार करने और उनमें बारीक कारीगरी का काम शुरू होता है।

सूरत, जयपुर और कलकत्ता से आई सामग्री- भगवान के परिधानों को आकर्षक बनाने के लिए जरदोजी, रेशमी धागों और मोतियों से सजावट की जा रही है। इसके लिए विशेष कपड़े और सजावटी सामग्री सूरत, जयपुर और कलकत्ता से मंगवाई गई है। वस्त्रों के साथ भगवान के मुकुट, हार और अन्य श्रृंगार सामग्री भी तैयार की जा रही है।

नीले मखमली वस्त्रों में सजेगा कृष्ण दरबार- इस बार भगवान श्रीकृष्ण, बलराम, सुदामा, गुरु सांदीपनि और गुरु माता के लिए नीले रंग के मखमली वस्त्र तैयार किए गए हैं। इन पर मोतियों और रेशमी धागों से बारीक कारीगरी की जा रही है। जन्माष्टमी के दिन विशेष श्रृंगार के साथ भगवान इन परिधानों में भक्तों को दर्शन देंगे।

लड्डू गोपाल के लिए अलग रंग और खास सजावट-जन्म के बाद पालने में विराजने वाले लड्डू गोपाल के लिए सफेद और गुलाबी रंग के विशेष परिधान तैयार किए गए हैं। इन कपड़ों पर भी मोतियों और आकर्षक कारीगरी से सजावट की गई है। जन्मोत्सव के दौरान लड्डू गोपाल का यह श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा।

आज दोपहर तक पूरी हो जाएगी तैयारी- पुजारी परिवार के अनुसार वस्त्र, मुकुट, हार और अन्य श्रृंगार सामग्री की तैयारियां 3 सितंबर तक पूरी कर ली जाएंगी। इसके अगले दिन 4 सितंबर को जन्माष्टमी के अवसर पर सांदीपनि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव परंपरागत उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

हाईवे से जेसीबी चोरी करने वाले 2 बदमाश गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रीन फील्ड हाईवे निर्माण स्थल से जेसीबी मशीन चोरी करने वाले दो बदमाशो को गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाशों की निशानदेही पर 25 लाख कीमत की जेसीबी बरामद की गई है।

खाचरोद थाना पुलिस ने बताया कि लक्ष्मण सिंह सिसोदिया निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी ने 31 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कंचन खेड़ी फंटे के पास निर्माण स्थल पर खड़ी उनकी जेसीबी क्रमांक एमपी 13 डी ए 1476 रात को अज्ञात बदमाश चुरा कर ले गए हैं मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। थाना प्रभारी धनसिंह नलवाया के निर्देशन में बनाई गई टीम ने 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिर की सूचना पर मकला फंटे के पास घेराबंदी के जेसीबी के साथ दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों के नाम शिवा पाण्डे (20) पिता कृष्ण कमल, निवासी वार्ड 14 सरई, जिला सिंगरौली और डालचंद विश्वकर्मा (24) पिता सुरेश प्रसाद, निवासी भादाबर, थाना बड़वारा, जिला कटनी होना सामने आए। दोनों से जेसीबी बरामद कर जानकारी जुटा गई तो सामने आया कि शिवा पाण्डे पहले इसी हाईवे प्रोजेक्ट में काम कर चुका है, इसलिए उसे साइट की पूरी जानकारी थी। रक्षाबंधन पर मजदूरों के छुट्टी पर जाने से सूनापन देखकर वारदात की। शिवा पर पहले से थाना सरई सिंगरौली में जेसीबी चोरी का केस है और वह फरार चल रहा था। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश कर 1 दिन का रिमांड लिया है।